ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 05, अंक -24 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 12 फरवरी से 18 फरवरी 2026 (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2026 के प्रारूप का कैबिनेट में अनुमोदन

किसानों को धान बिक्री के अंतर की राशि होली से पहले एकमुश्त मिलेगी: सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय, महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई।

इस बैठक में किसानों के हित समेत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान

से की जा रही है, जो देश में सर्वाधिक है। बीते दो वर्षों में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों को धान के मूल्य के अंतर के रूप में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस साल होली से पूर्व किसानों को 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होने से यह राशि बढ़कर 35 हजार करोड़ रूपए हो जाएगी।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय

- मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ के षष्ठम् विधान सभा के अष्टम् सत्र माह फरवरी-मार्च, 2026 के लिए राज्यपाल के अभिभाषण का अनुमोदन किया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा बजट अनुमान वर्ष 2026-27 का विधानसभा में उपस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2026 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
- मंत्रिपरिषद ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत धान के मूल्य के अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होली त्यौहार से पहले एकमुश्त किया जाएगा।

सिर्फ वादे नहीं, रोजगार और स्टार्टअप्स के लिए ठोस रोडमैप तैयार: वित्त मंत्री निर्मला

नई दिल्ली (ए)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट बहस पर लोकसभा को संबोधित किया। लोकसभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की रणनीतिक प्राथमिकताओं के बारे में बताया और इससे जुड़े तथ्यों को सुव्यवस्थित तरीके से सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने श्रम प्रधान क्षेत्रों को बजट में प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत बायोफार्मा सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप्स के विस्तार के लिए उन्हें बड़े डोमेन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताते हुए वित्त मंत्री ने साफ किया है कि मेगा टेक्सटाइल पार्कों के विकास के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करने को

पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस बजट में सकल कर प्राप्तियां 44.04 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह 2025-26 के अनुमानित राजस्व से लगभग 8% अधिक है, यानी इसमें 3.26 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यदि हम 2026-27 के कुल व्यय को देखें, तो यह 53.47 लाख करोड़ रुपये है, जो हमारी कर प्राप्तियों से कहीं अधिक है। पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो जीडीपी का 3.1% है और 2025-26 के अनुमानित राजस्व से 11.5% अधिक है...। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पर परिचर्चा के दौरान लोकसभा में बोलते हुए कहा, 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक केंद्र की ओर से राज्यों को हस्तांतरित किए गए राज्य के हिस्से का विश्लेषण किया। और निष्कर्ष निकाला कि इन सभी वर्षों में केंद्र की ओर से किया गया हस्तांतरण वित्त आयोग की सिफारिश से बिल्कुल मेल खाता है। इसलिए, हम अकेले नहीं हैं जो यह दावा कर रहे हैं। वित्त आयोग ने स्वयं इसका विस्तृत अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2018-19 से 2022-23 तक के वित्तीय वर्षों के लिए राज्य सरकारों को जो भी राशि जानी थी, वह दी जा चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

बंधन लाइफ ने लॉन्च किया नया यूलिपआईइन्वेस्ट अल्टिमा

नईदिल्ली। बंधन ग्रुप की जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने एक नया यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान आईइन्वेस्ट अल्टिमा' लॉन्च किया है। इसके साथ कंपनी ने एक नया मिड-कैप फंड भी पेश किया है, जो निवेशकों को भारत की उभरती मिड-साइज कंपनियों में निवेश का अवसर देता है। यह फंड 10 रुपये के नेट एसेट वैल्यू पर लॉन्च किया गया है और 18 फरवरी 2026 तक निवेश के लिए खुला रहेगा। कंपनी के मुताबिक, आईइन्वेस्ट अल्टिमा को इस तरह डिजाइन किया गया है।

एसबीआई बनी देश की चौथी सबसे बड़ी कंपनी

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्केट कैप यानी बाजार पूंजीकरण के मामले में दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस को पछाड़ दिया है। शानदार तिमाही नतीजों के दम पर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक के शेयरों में आई तेजी ने उसे अब रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के बाद देश की चौथी सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी बना दिया है।

सरकार ला रही है नया ऑटोमैटिक नंबर प्लेट स्कैन सिस्टम

नईदिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ऑटोमैटिक टोल वसूली प्रणाली लागू करने की तैयारी कर रहा है। यह नई व्यवस्था मार्च 2026 से कुछ चुनिंदा मार्गों पर शुरू हो सकती है। प्रस्तावित सिस्टम के तहत हाईवे पर लगाए गए कैमरे वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और तय दूरी के आधार पर टोल राशि सीधे ड्राइवर के खाते से काट ली जाएगी। फिलहाल देश के लगभग 1.5 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे नेटवर्क में से करीब 45,000 किलोमीटर पर टोल वसूला जाता है।

ऑस्ट्रेलिया की जीत से शुरुआत आयरलैंड की लगातार दूसरी हार

एलिस और जाम्पा ने चार-चार विकेट झटके

कोलंबो (ए)। ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हरा दिया। बुधवार को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप के 14वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए।

जवाब में आयरलैंड की टीम 16.5 ओवर में सिर्फ 115 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए जॉर्ज डॉकरेल ने

सर्वाधिक 41 रनों की पारी खेली। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस और एडम जाम्पा ने 4-4 विकेट लिए जबकि मैथ्यू कुनेहमेन ने एक सफलता अपने नाम की। टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, आयरलैंड लगातार दो मैचों में हार के साथ चौथे स्थान पर है। उनका नेट रन रेट -2.175 है। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत झटके के साथ हुई, लेकिन जोश इंग्लिश (37 रन) और कैमरन ग्रीन (21 रन) ने तेज बल्लेबाजी कर टीम को गति दी। इंग्लिश ने कवर ड्राइव और एज के जरिए कई चौके लगाए, जबकि ग्रीन ने अपनी लंबी कद-काठी का फायदा उठाते हुए एक चौका और दो बड़े छक्के जड़े। ग्रीन के आउट होने के बाद मैट रेनशॉ (37 रन) और मार्कस स्टोइनिस (45 रन) ने पारी को संभाला।

असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम निलंबित

नकली दवाओं के माफिया के साथ वीडियो हुआ था वायरल

रायपुर। सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के संचालक ने निलंबित कर दिया है। बता दें कि उनका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें वे नकली दवाओं से जुड़े दवा माफिया के साथ रेस्टोरेंट में बैठक कर रहे थे और उन्हें कार्रवाई की विभागीय फाइल दिखा रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद एनएसयूआई ने इस मामले में प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी। संजय कुमार नेताम सहायक औषधि नियंत्रक के पद पर रायपुर में पदस्थ हैं।

रायपुर के टैन कैफे में बैठकर वे नकली दवाओं से जुड़े प्रकरण के मामले में दवा माफियाओं के साथ मीटिंग कर रहे थे। आरोप है कि वह विभागीय कार्रवाई से जुड़े महत्वपूर्ण फाइल दवा माफियाओं को दिखा रहे थे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद एनएसयूआई ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की थी। एनएसयूआई ने तहसील में धरना प्रदर्शन किया था और उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम को धरने के दौरान पांच लाख रुपए दिए थे। एनएसयूआई के प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे पांच लाख रुपए संजय कुमार नेताम को इस एवज में देना चाहते है कि वे रिश्वतखोरी पूरी तरह से छोड़ दें। इसके अलावा भी वह हर माह 50 हजार रुपये प्रतिमाह सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम को देंगे।

पर वह दवा माफियाओं से मिली भगत कर नकली दवाओं की सप्लाई बाजार में न करवाएं। सरकार पर भी निशाना साधते हुए एनएसयूआई ने कहा था कि अचरज की बात है कि इतना बड़ा सबूत होने और वीडियो वायरल होने के बावजूद अब तक सहायक औषधि नियंत्रक पर कार्रवाई नहीं की गई जो उनको शह देने जैसा है।

अहमदाबाद एयर इंडिया हादसा, सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी होगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने एएआईबी से तीन सप्ताह में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली (ए)। कोर्ट की बेंच, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने की, ने एएआईबी द्वारा अब तक अपनाए गए प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल की भी रिपोर्ट मांगी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जांच की जा रही है।

साथ ही कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख और जांच की प्रगति की रिपोर्ट भी मांगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि एएआईबी जांच अपने अंतिम चरण में है और कुछ हिस्सों की जांच विदेशी देशों में की जानी है और संभावना है कि यह तीन सप्ताह में पूरी हो जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जांच रिपोर्ट को सीलबंद कवर में कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा, जिसमें अब तक अपनाई गई प्रक्रियाओं का अफिडेविट भी शामिल होगा। यह आदेश सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका पर दिया गया, जिसमें इस दुखद विमान हादसे की कोर्ट-निगरानी में जांच की मांग की गई थी। कोर्ट ने मामले की गंभीरता और जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद अब एएआईबी को अपनी

जांच प्रक्रिया को गति देने और पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए तीन सप्ताह का समय मिला है। यह रिपोर्ट न केवल मृतकों के परिजनों के लिए बल्कि देश में हवाई सुरक्षा और विमान संचालन मानकों की समीक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पीठ ने सुझाव दिया कि एएआईबी की जांच रिपोर्ट सील किए गए लिफाफे में कोर्ट में जमा की जाए। मेहता ने आश्वासन दिया कि जांच का पूरा विवरण न्यायाधीशों के साथ साझा किया जाएगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि एएआईबी का उद्देश्य केवल दुर्घटना के कारणों का पता लगाना है, किसी की मंशा तय करना नहीं। एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि अन्य तीन बोइंग 787 विमानों के साथ भी समान घटनाएं हुई हैं, लेकिन केंद्र ने याचिकाओं पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि 8,000 से अधिक पायलट दावा कर रहे हैं कि बोइंग 787 सुरक्षित नहीं है और इसे ग्राउंड किया जाना चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा भूषण को संतुष्ट करने का एकमात्र तरीका यह है कि भूषण स्वयं की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र से जांच में अपनाए गए प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल पर रिपोर्ट पेश करने को कहा। सीजेआई ने कहा एएआईबी जांच का परिणाम देखें, फिर तय करेंगे कि कोर्ट-नियंत्रित जांच की आवश्यकता है या नहीं।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हेरोइन बेचते आरक्षक रंगे हाथों गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सूखे नशे के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में रायपुर में पदस्थ एक आरक्षक को अवैध मादक पदार्थ चिट्टा (हेरोइन) की बिक्री करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया, जिससे पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आरक्षक हिमांशु बर्मन (34 वर्ष), पिता चैतुराम बर्मन, निवासी ग्राम कुण्डा, जिला कबीरधाम, हाल पता जनता कॉलोनी, पुलिस लाइन रायपुर के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक की झिल्ली में रखा लगभग 1 ग्राम चिट्टा, जिसकी अनुमानित कीमत 8 हजार रुपये बताई जा रही है, बरामद किया गया। बताया गया कि पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप कुमार पटेल के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राहुल देव शर्मा के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटिल और सहायक पुलिस आयुक्त

इशु अग्रवाल के नेतृत्व में थाना टिकरापारा और आजाद चौक की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

11 फरवरी 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नीलकंठेश्वर मंदिर के पीछे मठपारा क्षेत्र में एक व्यक्ति एक्सिस वाहन क्रमांक CG-04-PW-1372 में बैठकर चिट्टा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और बताए गए हुलिए के व्यक्ति को पकड़ लिया।

तलाशी लेने पर उसके पास से प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ टिकरापारा थाना में धारा 21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल, पुलिस मामले में एंड-टू-एंड विवेचना कर रही है।

बुलंदशहर में कावड़ियों से अभद्रता

दबंगों ने श्रद्धालुओं का रोका रास्ता, मारपीट और गाली-गलौज की, गुस्साए लोग

बुलंदशहर। बुलंदशहर के स्याना क्षेत्र के गांव माकड़ी में हरिद्वार से गंगाजल लेने जा रही महिला कावड़ियों के साथ दबंगों ने अभद्रता की। आरोप है कि संदीप त्यागी और डब्बू त्यागी नाम के दबंगों ने डीजे बजाकर जा रहे कावड़ियों का रास्ता रोका, डीजे बंद कराया और उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट व छेड़छाड़ की। कावड़ियों ने इसका विरोध करते हुए हंगामा काटा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस को कावड़ियों ने शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन कुछ घंटों बाद साठगांठ कर उन्हें छोड़ दिया गया। इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश है।

3-4 बार ही एपस्टीन से मुलाकात हुई, राहुल के दावों पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का जवाब

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उनके बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मैं एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में कुछ मौकों पर एपस्टीन से मिला था। हमारी बातचीत का उन अपराधों से कोई

लेना-देना नहीं था। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में दो तरह के नेता होते हैं। एक वे जो राजनीतिक व्यवस्था में जिम्मेदारी लेते हैं और अपना जीवन समाज सेवा तथा देश को बदलने में समर्पित कर देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेतृत्व के कारण ही भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ा है। केंद्रीय मंत्री ने बिना नाम लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता कभी-कभी देश में आते हैं। और जब संसद में उन्हें ठोस जवाब मिलता है या उनकी बातों को समर्थन नहीं मिलता, तो वे सदन छोड़कर चले जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी ही स्पीच के बाद सदन से चले गए।

दिल्ली में बनेंगे तीन नए मेट्रो कॉरिडोर

सीएम रेखा गुप्ता ने परियोजना को दी मंजूरी, यहां 13 नए स्टेशन बनेंगे

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मेट्रो फेज-(ए) को स्वीकृति दे दी गई है।

उन्होंने जानकारी दी कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कुल 16 किलोमीटर की लंबाई वाले तीन नए कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिनमें 13 मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे। इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत 12,014.91 करोड़ रुपये है, जिसमें दिल्ली सरकार का बजटीय हिस्सा

2,940.46 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। इस परियोजना को वर्ष 2028 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना परिवहन व्यवस्था से जुड़े प्रधानमंत्री के उस '7-सी विजन' को धरातल पर उतारने की दिशा में बड़ा कदम है, जिसका अर्थ है- साझा, सुलभ , सुविधाजनक, जाम-मुक्त, ऊर्जावान, स्वच्छ और अत्याधुनिक परिवहन। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करना अनिवार्य है और यह विस्तार इसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस निर्णय को दिल्ली के भविष्य के लिए निवेश बताते हुए कहा कि इन नए कॉरिडोर के बनने से न केवल यातायात पर दबाव कम होगा, बल्कि प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी।

एयरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 कॉरिडोर

फेज-5(ए) का दूसरा महत्वपूर्ण कॉरिडोर एयरोसिटी से इंदिरा गांधी घरेलू हवाई अड्डा टर्मिनल-1 (आईजीडी टी-1) तक प्रस्तावित है। इस कॉरिडोर की लंबाई 2.26 किलोमीटर है और इस पर एक स्टेशन प्रस्तावित है। यह कॉरिडोर हवाई यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और एयरपोर्ट तक मेट्रो की सीधी, तेज और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगा।

तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज कॉरिडोर

फेज-5(ए) का तीसरा कॉरिडोर तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक प्रस्तावित है। इस कॉरिडोर की कुल लंबाई 3.9 किलोमीटर है और इस पर 3 स्टेशन प्रस्तावित हैं। यह कॉरिडोर दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के क्षेत्रों को बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और स्थानीय यात्रियों के लिए आवागमन को अधिक सहज बनाएगा।

भारतमाला मुआवजा घोटाला...फरार तहसीलदार-नायब तहसीलदार गिरफ्तार

रायपुर। भारतमाला परियोजना के तहत मुआवजा घोटाले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में शशिकांत कुर्रे (तत्कालीन तहसीलदार, अभनपुर) और लखेश्वर प्रसाद किरण (तत्कालीन नायब तहसीलदार गोबरा नवापारा) शामिल हैं। इन पर आरोप है कि कूटरचित राजस्व अभिलेख तैयार कर 43 करोड़ के घोटाले को अंजाम दिया गया था। छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत

हुए करोड़ों रुपये के मुआवजा घोटाले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

लंबे समय से फरार चल रहे तहसीलदार शशिकांत कुर्रे और नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। इन अधिकारियों पर राजस्व अमले और भूमाफियाओं के साथ मिलकर दस्तावेजों के जरिए शासन को करोड़ों की क्षति पहुंचाने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद विशेष न्यायालय ने इनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था। रायपुर से हुई इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस रिमांड में इनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है, जिससे इस बड़े भ्रष्टाचार के सिंडिकेट से जुड़े कई और चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है।

ग्राम जांता में शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होकर की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा पहुंचे

बेमेतरा। प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बीते बुधवार को अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान ग्राम जांता स्थित हाई स्कूल में आयोजित शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष छ.ग. शासन जितेंद्र साहू, पूजा देवदत्त मिश्रा सरपंच ग्राम जाता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री यादव का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया तथा विद्यालय परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन भी किया गया।

स्मार्ट क्लास और आधुनिक सुविधाओं पर जोर

अपने उद्बोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरी स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

150 स्कूलों को आदर्श सीबीएसई स्कूल बनाने की पहल

श्री यादव ने बताया कि प्रदेश के 150 विद्यालयों को आदर्श सीबीएसई स्कूल के रूप में विकसित करने की मांग शासन स्तर पर की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का स्तर मजबूत होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को भविष्य में व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

नया पाठ्यक्रम लागू करने की घोषणा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में नया पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक विशेषताओं को समाहित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को अपने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों, परंपराओं और विरासत की समग्र जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होनी चाहिए।

आधारभूत संरचना के विकास की घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान मंत्री यादव ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के उन्नयन की घोषणा करते हुए विद्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण, चबूतरा निर्माण, खेल मैदान का विकास, शौचालय निर्माण तथा साइकिल स्टैंड की व्यवस्था करने की बात कही।

उन्होंने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए छात्रावास परिसर से गुजर रहे हाई टेंशन तार को हटाने की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त अधूरे आहता निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बेहतर भौतिक संसाधन उपलब्ध होने से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता एवं अधोसंरचना विकास जैसे विभिन्न पहलुओं पर समन्वित कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। ग्राम जांता में आयोजित यह शाला उन्नयन कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नवागढ़ पीएम श्री उत्कृष्ट आत्मानंद हिन्दी मिडियम के कक्षा 12वीं के छात्राओं का विदाई समारोह...

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ - पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शास. उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय-नवागढ़ में प्राचार्य अलकनंदा मेश्राम के मार्गदर्शन में कक्षा 12वीं के छात्राओं को विदाई दिया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर फूल माल्यार्पण और गुलाल लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत ही तत् पश्चात् स्कुली छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत सहित अलग अलग वाद्य वादन ,कविता पाठन,तथा सामुहिक नृत्य कर भविष्य में एक यादगार पल के रूप में संजोए रखने व आगामी भविष्य में किसी भी फिल्ड में अपनी एक पहचान बनाए रखने व उज्जवल भविष्य की ओर कदम आगे बढ़ाने की भी मार्ग दर्शन किया। बच्चे अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि को कभी नही भूल सकते। विदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान कक्षा- 9वीं, 10वीं और 11वीं के छात्राओं द्वारा अपने सीनियर के लिये गीत,कविता,और नृत्य भी प्रस्तुत किये गये और

सीनियर छात्राओं के यादगार के लिए 12वीं सीनियर छात्राओ के लिए भी गीत संगीत प्रतिस्पर्धा रखा गया जिसमे बच्चे काफी उत्साहित दिखाई दिए।

विदाई समारोह में सुशीला सोनी,मेनका सोनी,वर्षा वर्मा,प्रतिमा बनाफर मैम ,मोरध्वज गायकवाड, लोकेश्वर साहू, दिग्विजय वारे सर उपस्थित रहे। सभी शिक्षको ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये मेहनत और लगन से अच्छे अंक से पास होने की शुभकामना दिये।

कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर मे

बेमेतरा। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर महिला व्यापार नेटवर्किंग को मजबूत करने के उद्देश्य से कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में देशभर से महिला उद्यमियों ने सहभागिता की और महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में व्यापक चर्चा की गई।बैठक में विशेष रूप से अध्यक्ष निहारिका त्रिपाठी, सचिव प्रतिज्ञा सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष फिरोज अलीम ,उपाध्यक्ष अनामिका दुबे उपस्थित रहे। सभी ने महिला उद्यमियों को संगठित करने, उन्हें राष्ट्रीय मंच से जोड़ने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर यह घोषणा की गई कि फिरोज अलीम

टीम बिलासपुर से सयोंजक एवं निहारिका त्रिपाठी, अनामिका दुबे, प्रतिज्ञा सिंह को कैट महिला कोर टीम में शामिल किया गया है, जो महिला उद्यमिता को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उनके चयन से छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों की महिला उद्यमियों को सशक्त प्रतिनिधित्व मिलेगा।बैठक के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, व्यापारिक अवसरों से जोड़ने तथा आगामी भारतीय व्यापार महोत्सव में महिला सहभागिता को प्राथमिकता देने पर भी विशेष चर्चा की गई।अंत में यह संकल्प लिया गया कि देशभर की व्यापारी महिलाओं को एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच प्रदान किया जाएगा।

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपालन हेतु जिला स्तरीय बैठक संपन्न

बेमेतरा।उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से बीते बुधवार दोपहर 3 बजे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीजे संचालक, मैरिज भवन संचालक, कार्यक्रम आयोजक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही एसडीओपी बेमेतरा, थाना प्रभारी, नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे) के प्रयोग, समय-सीमा, ध्वनि की अधिकतम सीमा तथा प्रतिबंधित समयावधि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। एसडीएम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के आदेशानुसार रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, सिवाय शासन द्वारा घोषित विशेष

अवसरों के। निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक ध्वनि का प्रसारण दंडनीय अपराध माना जाएगा।उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालय परिसरों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित संचालकों को ध्वनि नियंत्रण यंत्र (साउंड लिमिटर) का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पाए जाने पर उपकरणों की जब्ती, चालानी कार्रवाई तथा दंडात्मक प्रकरण दर्ज किया जाएगा। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों एवं आयोजकों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी। नगर पालिका ष्टरूह्र ने मैरिज हॉल एवं कार्यक्रम स्थलों के संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने परिसर में ध्वनि नियंत्रण संबंधी शर्तों का स्पष्ट उल्लेख करें तथा आयोजकों से नियमों के पालन का लिखित आश्वासन लें। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात परिसर की शांति व्यवस्था बनाए रखना भी संचालकों की जिम्मेदारी होगी।

बारात में आए पूर्व अपराधी रिकॉर्ड वाले आरोपियों द्वारा हत्या करने की नियत से धारदार वस्तु से प्राण घातक हमला कर चोंट पहुंचने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। प्रार्थी दिनेश निषाद उम्र 27 वर्ष निवासी करमू थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 10 फरवरी 2026 को इसके बडे पापा की लडकी की शादी में इनके घर पर बारात आये थे कि अंश पासवान एवं हरीश बाग निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग के द्वारा खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड़ एवं बड़ा मांगने की बात को लेकर इन दोनो के द्वारा एक राय होकर वाद-विवाद करते हुए हत्या करने की नियत से भोला राम निषाद और गजानंद निषाद को अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर अपने-अपने पास रखे धारदार वस्तु से सिर, कान व जांघ एवं अन्य जगहों पर हमला कर चोंट पहुंचाया है भोला निषाद उम्र 24 साल, निवासी ग्राम करमु थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा एवं गजानंद निषाद उम्र 25 साल, साकिन बाजार चारभाठा, थाना सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम का सीएचसी खम्हरिया उपचार बाद, गजानंद

निषाद को हायर सेंटर रिफर किया गया। कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 109(1),3(5) क्चहृस् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्र) रामकृष्ण साहू (ढ्ढक्क्र) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा को थाना स्टाफके साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान और हरीश बाघ निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ करने पर पताचला कि 10 फरवरी 2026 को आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु अपने दोनों दोस्त अंश पासवान तथा हरिश बाघ को लेकर शंकर पारा स्टेशन मरोदा से ग्राम करमू सभी बारातियो के साथ बस में आये थे। खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड एवं बडा मांगने की बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। उसी बात पर गुस्सा होकर आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान तथा हरिश बाघ तीनों ने एक राय होकर दो खाना परोसने वाले को अपने पास रखे धारदार वस्तु से जान से मारने के नियत से प्राणघातक वार करना तथा तीनो दोस्त अंधेरे में भाग जाना। विवेचना के दौरान आरोपियों का पूर्व अपराधिक रिकार्ड भी होना पाया गया है। आरोपी 01. अंश पासवान उर्फ धन पिता मनीष पासवान उम्र 18 वर्ष, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 27 थाना नेवई जिला दुर्ग, 02. हरीश बाघ पिता मोती बाघ उम्र 23 साल, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 21 थाना नेवई जिला दुर्ग, 03. लुपसिंह निषाद उर्फ नानु पिता रामाधार निषाद उम्र 22 साल, निवासी गुवारा, थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा हाल पता स्टेशन मरोदा थाना नेवई जिला दुर्ग को आज 11 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य पूर्ति में तेजी लाने के निर्देश

लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागीय अधिकारी दिखाएं संवेदनशीलता : कलेक्टर

बेमेतरा।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शासन द्वारा संचालित विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विभागवार आकलन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, ऐसे में सभी अधिकारी वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागों में लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का परिचय दिया जाए। अनावश्यक विलंब को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी-कलेक्टर ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के लिए अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार करने का माध्यम है। इस योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता की जांच एवं हितग्राहियों को समय पर किस्त भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मनरेगा कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश-ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, उन्हें वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व पूर्ण करना अनिवार्य है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि स्वीकृत कार्य समय पर पूर्ण नहीं हुए तो जिम्मेदार अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मनरेगा के माध्यम से अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा परिसंपत्तियों के निर्माण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में बरतें संवेदनशीलता-बैठक में कलेक्टर ने शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के सेवा काल में आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों के लिए अनुकंपा नियुक्ति एक महत्वपूर्ण सहारा होती है, इसलिए इन प्रकरणों का शीघ्र एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। इसके साथ ही पेंशन प्रकरणों के निराकरण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समय पर लाभ प्राप्त हो सके।

वित्तीय अनुशासन एवं लक्ष्य पूर्ति पर जोर-कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी विभागों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, बजट का समुचित उपयोग करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड निरीक्षण एवं जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य संस्कृति अपनाकर ही जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक के अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि लंबित प्रकरणों के निराकरण, योजनाओं की प्रगति एवं जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वाले पति,सास-ससुर भेजे गये जेल

रायपुर। जिले के मुलमुला थानाक्षेत्र में एक महिला को दहेज के नाम पर प्रताड़ित करने तथा उसे आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वाले पति तथा सास-ससुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका जागृति श्रीवास निवासी नरियरा थाना मुलमुला का विवाह महेश कुमार श्रीवास निवासी नरियरा के साथ वर्ष 2024 में सामाजिक रीति रिवाज से हुआ था। विवाह के बाद एक माह तक अच्छे से रखे फिर दहेज के नाम से मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे तथा पति द्वारा मारपीट कर शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। दिनांक 08.12.25 को पुन: जागृति श्रीवास को पति महेश श्रीवास के द्वारा मारपीट करना तथा सास-ससुर के द्वारा गालीगलौच करने से परेशान होकर जागृति ने कीटनाशक जहर सेवन कर लिया था जिसे उपचार के लिये सिम्स अस्पताल बिलासपुर ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतिका के नवविवाहिता होने से उसके शव पंचनामा कार्यवाही कार्यपालिक दंडाधिकारी बिलासपुर से कराया गया है एवं परिजनों का कथन लेखबद्ध किया गया है। जिसमें पति- महेश श्रीवास, सास- राजकुमारी श्रीवास, एवं ससुर अशोक श्रीवास के द्वारा दहेज में कम समान लाई हो कहकर शादी के मात्र एक माह पश्चात से मानसिक तथा पति के द्वारा मारपीट कर लगातार शारीरिक प्रताड़ित करने से तंग होकर ही दिनांक घटना 08/12./2025 को अपने घर में रखे नामक कीटनाशक जहर सेवन करने से होना पाया गया है बिना नंबरी मर्ग डायरी प्राप्त होने पर थाना मूलमुला में नंबरी मर्ग क्रमांक 03/.2026 धारा 194 व्ह्स् का पंजीबध्द कर विवेचना किया गया मर्ग जांच पर पति महेश श्रीवास, सास राजकुमारी श्रीवास, ससुर अशोक श्रीवास के ऊपर अपराध धारा 80,3(5) बीएनएस का घटित होना पाए जाने से अपराध अपराध क्रमांक 36/ 2025 धारा 80,3(5)बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण नवविवाहिता की दहेज हत्या से संबंधित होने पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा त्वरित कार्यवाही करने की आदेश मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी प्रदीप सोरी के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित कर प्रकरण सदर के आरोपियों को आज दिनांक 10 2 2026 के घेराबंदी कर ग्राम नरियरा से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई नि:शुल्क हृदय जांच, 1032 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना।कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज आरंग टीम बी द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गुल्लु एवं मिडिल स्कूल बाना में 240 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 2 एवं 8 छेरीखेड़ी में 173 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 6 एवं 7 मठपुरैना में 165 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा लायंस हैंडिकैप्ड स्कूल भनपुरी में 103 बच्चों की स्क्रीनिंग, अभनपुर टीम बी द्वारा प्राथमिक शाला अभनपुर में 137 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा संतोषी नगर के ांगनबाड़ी केंद्र ताज नगर, इमामबाड़ा एवं शिवनगर में 133 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक शाला एवं मिडिल स्कूल जलसो में 184 बच्चों की स्क्रीनिंग व पूरे जिले में आज कुल 1032 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

नए वित्तीय वर्ष के लिए सभी विभाग कार्य योजना बनाएं - डॉ. गौरव सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से डीईएएफ्मीपी (ष्ठश्वस्र) एवं निष्क्रिय खातों,लंबित राजस्व प्रकरणों, कॉल सेंटर से प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई।लेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में सभी विभागों द्वारा निर्माणाधीन विकास कार्यों जल्द पूरा एवं संबंधित जिला अधिकारियों के माध्यम से प्रशासन को सूचना दे। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से प्राप्त पत्रों पर तत्काल कार्यवाही कर शीघ्र जवाब भेजने के कहा एवं सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को नए वित्तीय वर्ष के लिए विभागों की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का जल्द निराकरण करें, इसके साथ ही कॉल सेंटर एवं अन्य लंबित शिकायतों का भी समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए।इसके अलावा कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे ष्ठश्वस्र एवं द्द बैंक खातों के निराकरण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें।बैठक के पश्चात कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं निगम आयुक्त श्री विश्वदीप सहित अन्य सभी जिला स्तरीय अधिकारियों ने फाइलेरिया रोधी दवा खाकर फाइलेरिया अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया।बैठक में एडीएम श्री उमाशंकर बंदे सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालन योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय दल.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय पशुपालन योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा तीन राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक (नेशनल लेवल मॉनिटर) नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी 9 से 14 फरवरी 2026 तक दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों का दौरा कर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करेंगे।इस दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर जाकर परीक्षण करेंगे। भ्रमण दल में भारत सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।भ्रमण कार्यक्रम के पहले दिन संचालनालय स्तर पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, पशुधन विकास विभाग तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा केन्द्र से आए अधिकारियों और नेशनल लेवल मॉनिटर दल को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दीकृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया।

अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए

मदिरा एवं मादक पदार्थों के अवैध संग्रहण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. शंगीता ने आज नवा रायपुर स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आगामी महीनों के लिए जिलेवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलों, उड़नदस्ता, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव सह आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए। सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती शंगीता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया किया मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री न हो। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके। श्रीमती शंगीता ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने जनवरी माह तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत् कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए। सचिव सह आयुक्त ने प्रदेश में संचालित बारों, क्लबों, होटलों और ढाबों की आकस्मिक जांच करने तथा समय पश्चात संचालन अथवा अवैध मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और विक्रय पर सख्त नियंत्रण रखने हेतु आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से सहयोग लेने के निर्देश दिए गए। राज्य की अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने और सीसीटीवी कैमरों के सुचारू संचालन की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विभाग में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा कर्मचारियों के पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

असम के मुख्यमंत्री ने गोगोई और भूपेश बघेल के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया....

रायपुर। संवाददाता

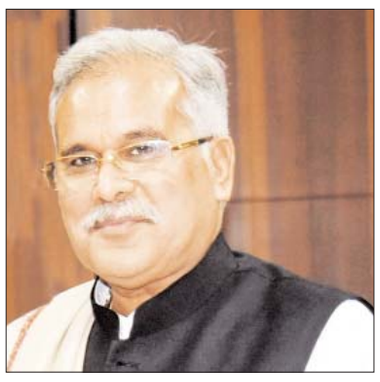

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई, भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह अलवर के खिलाफ 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए सिविल और क्रिमिनल मानहानि का केस किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि यह केस कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन पर लगाए गए झूठे, गलत इरादे वाले और बदनाम करने वाले आरोपों के सिलसिले में फाइल किया गया है। उन्होंने दोहराया कि वह पॉलिटिकल दबाव या पब्लिक हमलों से नहीं डरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हिट-एंड-रन पॉलिटिक्स का जमाना खत्म हो गया है। अगर उनमें जरा भी हिम्मत या सबूत हैं, तो उन्हें हर आरोप को कोर्ट में साबित करना चाहिए। केस फाइल करने से कुछ दिन पहले सीएम सरमा ने पब्लिक में ऐलान किया था कि वह आरोपों को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे, जिससे उनके सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के उपाय करने के इरादे का इशारा मिला। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस लीडरशिप पर मिलकर बदनामी करने और पॉलिटिकल ड्रामा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला गांधी परिवार के कहने पर किया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पर्सनल बुराई के बजाय मुद्दों और गवर्नेंस पर फोकस करना चाहिए। मुख्यमंत्री का यह कदम राजीव भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आया, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। गोगोई ने कहा कि पोर्टल का मकसद सीएम सरमा की पॉलिटिकल जर्नी और गवर्नेंस स्टाइल की जांच करना था। साथ ही, दावा किया कि इसमें मुख्यमंत्री की पब्लिक लाइफ से जुड़े डॉक्यूमेंट्स, वीडियो और दूसरी चीजें हैं। कांग्रेस नेता ने कहा था कि इस पहल का मकसद असम के लोगों के सामने फैक्ट्स रखना और अकाउंटेबिलिटी को बढ़ावा देना है। गोगोई ने यह भी ऐलान किया था कि कांग्रेस ने इसी तरह के कंटेंट वाला एक पैम्फलेट जारी किया है, जिसे एक बड़े आउटरीच प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर पूरे राज्य में बांटा जाएगा। गोगोई की बातों को दोहराते हुए बघेल ने जोर देकर कहा था कि ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी डेमोक्रेसी के जरूरी पिलर हैं, खासकर जब असम अहम पॉलिटिकल माइलस्टोन की ओर बढ़ रहा है।

दुर्लभ हॉर्नबिल संरक्षण की विशेष पहल उदंती-सीतानदी में विकसित हो रहे उद्यान

रायपुर/ संवाददाता

हॉर्नबिल दुनिया के सबसे आकर्षक और अनोखे पक्षियों में से एक हैं। इनका विशाल आकार, बड़ी चोंच, आकर्षक और रंगीन पंखुड़ियाँ और आमतौर पर शोरगुल भरा व्यवहार इन्हें हर जगह आसानी से पहचान दिलाते हैं। इनके घोंसला बनाने की विचित्र आदतें भी कई विशेषताओं में से एक हैं जो हॉर्नबिल को इतना दिलचस्प बनाती हैं। छत्तीसगढ के उदंती-सीतानदी में दुर्लभ मालाबार पाइड हॉर्नबिल पक्षियों के संरक्षण के लिए विशेष प्राकृतिक उद्यान विकसित किए जा रहे हैं, जिन्हें हॉर्नबिल रेस्टोरेंट के रूप में तैयार किया जाएगा। हॉर्नबिल को जंगल का किसान मानते हुए उनके विलुप्त होने के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक हैं कि हॉर्नबिल प्रजातियों के लिए घोंसलों की निगरानी, कृत्रिम घोंसले लगाने, अनुसंधान और स्थानीय समुदाय की भागीदारी (घोंसला गोद लेने का कार्यक्रम) के माध्यम से संरक्षण कार्य किया जाए। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक नई पहल कर रहा है। यह रेस्टोरेंट किसी प्रकार का कृत्रिम निर्माण नहीं होगा, बल्कि जंगल और आसपास के क्षेत्रों में फ्लदार वृक्षों का प्राकृतिक समूह विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत पीपल, बरगद तथा फाइकस प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे, जिनके फ्ल हॉर्नबिल पक्षियों का प्रमुख आहार हैं। इस पहल का उद्देश्य इन पक्षियों को पूरे वर्ष प्राकृतिक भोजन उपलब्ध कराना और उनके सुरक्षित आवास को बढ़ावा देना है। हॉर्नबिल को घोंसला बनाने के लिए जरूरी पेड़ों को लगाने और उनकी निगरानी करने के प्रयास। उल्लेखनीय है कि सामान्यत: पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाए जाने वाले ये पक्षी अब उदंती-सीतानदी की अनुकूल जलवायु और हरियाली के कारण यहां अधिक संख्या में दिखाई देने लगे हैं। पहले जहां इनका दर्शन कभी-कभार होता था, वहीं अब सप्ताह में दो से तीन बार इनकी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। हॉर्नबिल पक्षियों को फॉरेस्ट इंजीनियर या जंगल का प्राकृतिक माली भी कहा जाता है, क्योंकि ये फ्ल खाने के बाद बीजों को दूर-दूर तक फैलाते हैं, जिससे वनों का प्राकृतिक विस्तार होता है। समुद्र तल से लगभग 800 से 1000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित उदंती-सीतानदी का पहाड़ी क्षेत्र इन पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास सिद्ध हो रहा है। इन दुर्लभ पक्षियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष ट्रैकिंग टीमें गठित की गई हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

23 फरवरी से शुरू हो रहा है बजट सत्र

राज्यपाल के भाषण में सरकार की उपलब्धियां का होगा उल्लेख

रायपुर/ संवाददाता

विस के 23 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र का आगाज राज्यपाल के अभिभाषण से शुरू होगा। राज्यपाल रामेन डेका सरकार की उपलब्धियों को गिनाएंगे। इसके पहले विस सत्र के दोनों सत्र के बीच जिन सदस्यों की मृत्यु हो गई उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार परंपरानुसार राज्यपाल बजट सत्र का शुभारंभ अपने अभिभाषण शुरू करते है कर्नाटक तथा तमिलनाडु में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच तनाव बरकरार होने के कारण यह परंपरा प्रभावित हो रहे है। जबकि छग में राज्यपाल और रामेन डेका और विष्णुदेव साय के बीच मधुर संबंध होने के कारण राज्यपाल के अभिभाषण में राज्य सरकार उपलब्धियों का वर्णन होगा। राज्यपाल का अभिभाषण तैयार करने के लिए अलग अलग विभागों से राज्यपाल द्वारा मंगा लिया गया है जिसमें गृह आदिम जाति पंचायत उद्योग शिक्षा लोक निर्माण सिंचाई सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों में हुए कार्यों का एक दस्तावेज करा दिया गया है समय समय पर राज्यपाल तीस बिंदुओं पर अपना अभिभाषण पढ़ते रहे है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा सिर्फ सीमित बिंदुओं का यह अभिभाषण तय कर लियागया था लेकिन वर्तमान राज्यपाल पुरारी परंपरा को कायम रखना चाहते है। राज्यपाल के अभिभाषण में नक्सलवाद का खात्मा और पंचायत विभाग में पीएम आवास सड़क योजना सड़कों का निर्माण सहित अन्य कार्यों का उल्लेख होगा।

शराब पीने के लिए पैसे नही देने पर मारपीट

रायपुर। जिले की बलौदा थाना पुलिस ने शराब पीन के लिए पैसे नही मिलने पर एक व्यक्ति से मारपीट करने के मामले में दो अरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 119 (1), 296, 351 (2), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी निकेश कुमार सुमन निवासी बुचीहरदी थाना बलौदा से दिनांक 06/02/2026 को दोपहर में गांव का गोपी पाटले व जग्गू पाटले दोनो के द्वारा प्रार्थी से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगे, पैसा नही है बोलने पर दोनो पूराने रंजिश की बात पर से अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर चोट पहुंचाये थे।

महापरीक्षा अभियान 2025 में 91 प्रतिशत शिक्षार्थी उत्तीर्ण

साक्षरता कार्यक्रम के तहत 4 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने दी परीक्षा

- 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह का दिया संदेश

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य में 07 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसित उल्लास -नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत महापरीक्षा अभियान का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा का परिणाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नई दिल्ली द्वारा घोषित किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस अभियान में प्रदेश में पहली बार 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से भाग लेकर बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह चुनने का संदेश दिया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश भर से कुल 4 लाख 55 हजार 44 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, इनमें से 4 लाख 13 हजार 403 शिक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 90.85 प्रतिशत रहा, जो साक्षरता अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्गवार परिणाम के अनुसार एक लाख 37 हजार 350 पुरुष शिक्षार्थियों में से एक लाख 23 हजार 743 उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। 3 लाख 17 हजार 617 महिला शिक्षार्थियों में से 2 लाख 89 हजार 597 ने सफलता प्राप्त की है। वहीं 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों में से 63 उत्तीर्ण हुए, जो समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संकेत है। इस महापरीक्षा अभियान को सफल बनाने में शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। जिला एवं जनपद स्तर पर कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्यापक स्तर पर

अपील, बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं, पंच-सरपंचों एवं ग्राम प्रभारियों द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया तथा सायंकाल जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैलियां निकालकर सकारात्मक शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया गया। जिला एवं विकासखंड स्तर पर निरंतर वेबीनार और समीक्षा बैठकों के माध्यम से दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिला जेलों के लगभग 795 बंदियों ने भी परीक्षा में सम्मिलित होकर अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की प्रेरणादायक पहल की। 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लेकर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया। दुर्ग जिले के मोहलनाय गांव की 98 वर्षीय दुधी बाई तथा जरवई के 82 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति सहित अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने परीक्षा में भाग लेकर यह सिद्ध किया कि शिक्षा की कोई आयु सीमा नहीं होती। कई स्थानों पर पति-पत्नी, देवरानी-जेठानी, दादा-पोता एवं तीन पीढ़ियों ने एक साथ परीक्षा देकर पारिवारिक सहभागिता की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की। दिव्यांग शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने उल्लास कार्यक्रम से जुड़े सभी शासकीय-अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने आगामी मार्च में आयोजित होने वाले परीक्षा अभियान में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि सभी राज्यवासी मिलकर छत्तीसगढ़ को शत-प्रतिशत साक्षर राज्य बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

संपादकीय

सूरजकुंड मेले में हादसे ने खोली प्रशासनिक लापरवाही

किसी भी तरह के हादसे के बाद यह मान लिया जाता है कि इसकी वजह किसी की चूक या फिर कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी और जांच का सिरा भी आमतौर पर इसी दिशा में आगे बढ़ता है। अगर कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार की ओर से कार्रवाई के नाम पर निचले स्तर के कुछ लोगों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है और इसके लिए जिम्मेदार उच्च अधिकारियों या अन्य लोगों को प्रकारांतर से बख्श दिया जाता है।यह बेवजह नहीं है कि हादसे के मूल कारण बने रह जाते हैं और कुछ समय बाद फिर उसी तरह की घटना सामने आती है। हरियाणा के फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले में जिस तरह एक विशाल झूले के टूट जाने से एक पुलिस निरीक्षक की जान चली गई और बारह अन्य लोग घायल हो गए, वह प्रशासनिक स्तर पर बरती गई घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है।झूले पर गए लोगों ने यह सोचा भी नहीं होगा कि मनोरंजन के बजाय एक घातक हादसे का खतरनाक अनुभव उनकी जेहन में लंबे समय तक के लिए घर बना लेगा। हादसे के बाद झूला संचालक और एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया, लेकिन क्या इस तरह नाममात्र के लिए की गई कार्रवाई यह सुनिश्चित कर सकता है कि भविष्य में ऐसा हादसा नहीं होगा?ऐसा लगता है कि उदासीनता और लापरवाही सरकारी महकमों की कार्यशैली बन चुकी है। आमतौर पर निचले स्तर के कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके मामले का हल मान लिया जाता है और शायद ही कभी हादसों के वास्तविक जिम्मेदार लोगों को कठघरे में लाया जाता है। नतीजतन, हादसे एक सिलसिले की तरह कायम रहते हैं। सूरजकुंड मेले में जो झूला टूटा, निश्चित रूप से चलाने के पहले उसकी जरूरी जांच में लापरवाही बरती गई होगी और किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज किया गया होगा।सवाल है कि किसी भी झूले के संचालन से पहले हर स्तर पर उसकी पुख्ता सुरक्षा जांच में खरा उतरने के बाद ही उसे चलाने की इजाजत देने के लिए क्या सरकार की ओर कोई तंत्र गठित किया गया है। मेले के आयोजन की इजाजत देते हुए उसमें होने वाली गतिविधियों का पूरी तरह सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी थी? क्या सरकार ने इसके लिए जवाबदेह किसी उच्च स्तर के अधिकारी को भी कार्रवाई के दायरे में लाने की कोशिश की?अब मामले की गंभीरता के मद्देनजर एक विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया गया है। जांच के दायरे में झूला लगाने, उसका रखरखाव, निरीक्षण और संचालन से जुड़े लोगों से पूछताछ हो सकती है। मगर इस तरह की जांच के निष्कर्ष इस बात पर निर्भर करते हैं कि इसके लिए तकनीकी प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी से पूछताछ, झूले के सभी कल-पुर्जों के सही होने की रपट और सुरक्षा मानकों के अनुपालन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में कितनी पारदर्शिता बरती जाएगी और असली दोषियों को कानून के कठघरे में लाने को लेकर कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाई जाएगी।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गईं और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा। इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

(नीरज कुमार दुबे)

यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक

विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज़, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।

सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं। वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी। साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में। यह बधाई न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है, बल्कि इसका व्यापक महत्व यह है कि भारत दोनों देशों के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना चाहता है। भारतीय-जापानी सहयोग का दायरा हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है और इस चुनाव के परिणाम ने इसे और प्रोत्साहन दिया है। बहरहाल, 2026 का यह जापान चुनाव परिणाम दिखाता है कि जनता ने ठोस नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों तथा देश की रणनीतिक दिशा को समर्थन दिया है। सना इची की जीत सिर्फ एक संसदीय बहुमत नहीं है, बल्कि यह जापान के भविष्य की दिशा को लेकर एक व्यापक विश्वास का प्रतीक भी है। यह जीत जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिये तैयार कर देती है और अब वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण बनने वाली है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लोकतंत्र की सफलता के लिए पढ़ने वाला समाज चाहिए

(पंकज पराशर)

किसी भी समाज की बौद्धिक स्थिति का आकलन इस बात से नहीं किया जा सकता कि वहां सूचना के कितने स्रोत उपलब्ध हैं, बल्कि इससे किया जाता है कि लोग उन सूचनाओं को किस गहराई से पढ़ते, समझते और आत्मसात करते हैं। सवाल यह नहीं है कि शब्द कम हो गए हैं, वास्तव में शब्द पहले से कहीं अधिक हैं। सवाल यह है कि क्या उन शब्दों के पीछे विचार भी बचा है?

आज का भारत तकनीकी रूप से अधिक सक्षम है, साक्षरता का दायरा पहले से बढ़ा है और सूचनाओं तक पहुंच अभूतपूर्व रूप से आसान हुई है। इसके बावजूद पढ़ने की आदत में आई गिरावट एक गंभीर सामाजिक संकेत है। लंबे लेख धैर्य की परीक्षा लगने लगे हैं, किताबें समय की बर्बादी समझी जाने लगी हैं और गहराई से सोचने वाली सामग्रियों को अक्सर 'भारी' या 'अप्रासंगिक' कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हम शीर्षक और निष्कर्ष पढ़कर अपनी राय बना लेना चाहते हैं, बिना उस वैचारिक प्रक्रिया से गुजरे, जो किसी भी लेखन का वास्तविक उद्देश्य होती है। यह बदलाव केवल जीवन-शैली का नहीं है, मानसिक अनुशासन का है। पढ़ना एक सक्रिय बौद्धिक प्रक्रिया है। इसके लिए एकाग्रता, समय और आत्म-संवाद की आवश्यकता होती है। जब कोई समाज पढ़ने से बचने लगता है, तो वह धीरे-धीरे गहराई से सोचने से भी कतराने लगता है। ऐसे में, विचार की जगह त्वरित प्रतिक्रिया ले लेती है और संवाद की जगह शोर। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

पढ़ने की घटती प्रवृत्ति ने सार्वजनिक बहस की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आज विमर्श का केंद्र तथ्य या तर्क नहीं, बल्कि प्रभाव व प्रतिक्रिया बन गया है। गहन अध्ययन के बिना बनी राय अक्सर कट्टरता की ओर झुकती है। असहमति संवाद का माध्यम बनने के बजाय टकराव का कारण बन जाती है। लोकतंत्र के लिए यह गंभीर चुनौती बन गई है, क्योंकि लोकतंत्र केवल मतदान से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण संवाद से जीवित रहता है। जब पढ़ना कम होता है, तो समाज में सहनशीलता और संवेदनशीलता भी घटने लगती है। तब 'दूसरा' व्यक्ति या विचार सहज संदेह और विरोध का विषय बन जाता है। इसीलिए पढ़ने की संस्कृति को पुनर्जीवित करना केवल शैक्षिक या सांस्कृतिक प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक संतुलन और लोकतांत्रिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब नागरिक पढ़ते हैं, तब वे केवल सूचित नहीं होते, बल्कि जिम्मेदार भी बनते हैं और जिम्मेदार नागरिक ही किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

आज नई पीढ़ी अपनी ही भाषा में लंबे लेख या पुस्तकें पढ़ने से असहज महसूस करने लगी है। शब्दावली सीमित हो रही है, वाक्य छोटे होते जा रहे हैं और अभिव्यक्ति की क्षमता कमजोर पड़ रही है। अक्सर तर्क दिया जाता है कि समय बदल गया है और पढ़ने के तरीके भी बदलेंगे। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है। माध्यम बदलना स्वाभाविक है, पर अध्ययन की गहराई का समाप्त हो जाना स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि क्या हम ऐसे नागरिक तैयार करें, जो केवल सूचना का उपभोग करते हैं या हमें ऐसे नागरिक चाहिए, जो विचार करने का साहस रखें? तकनीक से दूरी समाधान नहीं है, लेकिन तकनीक के साथ पढ़ने की संस्कृति को जीवित रखना अनिवार्य है। स्कूलों-विश्वविद्यालयों में पठन को फिर से केंद्रीय स्थान देना होगा। पढ़ना केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न रहकर एक बौद्धिक आदत बने, इस दिशा में प्रयास आवश्यक हैं। घरों में किताबें फिर से बातचीत का विषय बनें, वे केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का साधन न रहें। मीडिया को भी विचारोत्तेजक लेखन के लिए स्थान बनाना उसकी जिम्मेदारी है।

भारत यदि स्वयं को ज्ञान आधारित समाज के रूप में स्थापित करना चाहता है, तो उसे पाठक आधारित समाज भी बनना होगा। पढ़ना कोई विलास या विशिष्ट वर्ग की आदत नहीं है, यह एक जागरूक नागरिक की बुनियादी आवश्यकता है। जो समाज पढ़ता है, वही सवाल करता है और जो सवाल करता है, वही अपने भविष्य की दिशा स्वयं तय करता है। अपढ़ समाज में विचार भी धीरे-धीरे मौन हो जाते हैं और विचारों का मौन हो जाना किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा संकट होता है। (लेखक प्राध्यापक, अलीगढ़ मुस्लिम विवि है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आलोचना से नफरत तक, मोदी-विपक्ष संबंध और संसदीय जनतंत्र का नैतिक संकट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के बीच संबंध समकालीन राजनीति में विमर्श का एक महत्त्वपूर्ण विषय बन गया है। जनतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप, नोक-झोंक तथा टकराव अस्वाभाविक नहीं है। पर जो स्वाभाविक नहीं है, वह है शाब्दिक हिंसा और अमर्यादित आलोचना। यह संसदीय जनतंत्र की गिरावट के लक्षणों में से एक होता है। ऐसे में मर्यादा, सभ्य आचरण और चरित्र निष्प्रभावी लगने लगा है। वह जनमानस की अपेक्षा और राजनीतिक व्यवहार में बड़ा अंतर पैदा करने लगता है। धीरे-धीरे राजनीति से नैतिकता का संबंध समाप्त होने लगता है।

(राकेश सिन्हा)

मोदी ने विपक्ष के प्रति अपनी पीड़ा राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के उत्तर में दिए गए अपने भाषण में व्यक्त की। पिछले एक दशक से अधिक समय से विपक्ष के निशाने पर भाजपा-आरएसएस कम और प्रधानमंत्री मोदी अधिक रहे हैं और उनके प्रति यह आक्रामकता सामाजिक-आर्थिक दर्शन पर नहीं होकर 'मोदी' पर है। विपक्ष की यह सबसे बड़ी भूल है।

प्रधानमंत्रियों के प्रति नापसंदगी पहले भी व्यक्त होती रही है। अटल बिहारी वाजपेयी को 'संघ का मुखौटा', इंदिरा गांधी को 'मोम की गुड़िया' मोरारजी देसाई को 'बड़े व्यावसायिक हितों का प्रतिनिधि', चरण सिंह को 'कुलक', राजीव गांधी को 'नासमझ' और जवाहरलाल नेहरू को 'अंतिम अंग्रेजी प्रधानमंत्री' कहा गया। आपातकाल के दौरान भी इंदिरा गांधी के लिए किसी ने काटने-मारने की भाषा का प्रयोग नहीं किया। पर तब और अब में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। विपक्ष के खेमों से नफरती अभियान 'कब्र खुदेगी' जैसे नारों में दिखने लगा है। मोदी ने ऐसा क्या गुनाह किया कि विपक्ष हिंसक भाषा का उपयोग कर रहा है? इसका उत्तर समकालीन राजनीति की हकीकत को सामने लाता है।

दरअसल, मोदी की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता ने भारत को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने में धर्मनिरपेक्षीय संकोच समाप्त कर दिया। विपक्ष का चिंतन समूह इससे घुटन महसूस कर रहा है। वह भारत में उपराष्ट्रीयताओं, भाषाई प्रतिद्वंद्विताओं और अल्पसंख्यकवादी विचारों का प्रतिष्ठित उत्पादक रहा था। उस वैचारिक कारखानों पर लगभग ताला लग गया है। ऐसे में छटपटाहट कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वही कांग्रेस को संपूर्णानंद, केएम मुंशी, पट्टाभि सीतारमैया की भाषा बोलने नहीं देती है, जिसमें भारतीय सभ्यता के प्रति आदर था। हिंदुत्व विरोध के आधार पर अब राजनीति नहीं की जा सकती है। भले ही हिंदुत्व की परिभाषा संघ-भाजपा की शैली में नहीं हो, पर परिधि में आए बिना कांग्रेस या कोई अन्य दल अपने अस्तित्व को समृद्ध नहीं कर सकता है।

सत्ता और विपक्ष के बीच स्वस्थ आलोचनात्मक संबंध जनतंत्र को मजबूती देता है। एक बार वाजपेयी ने विपक्ष के लिए इस दोहे का प्रयोग किया था। 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय/ बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' यह तब संभव है जब विपक्ष में रचनात्मकता हो। शाहबानो मामले पर केंद्र सरकार के मंत्री आरिफ मुहम्मद खान कांग्रेस के खिलाफ हो गए थे। उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। राजीव गांधी ने उन्हें गद्दार नहीं कहा था। पर रवनीत सिंह बिट्टू का कांग्रेस छोड़ना राहुल गांधी की नजर में गद्दारी बन गया। जनतंत्र में विचारों का द्वंद्व व्यक्ति के मन में चलता रहता है और उसे अपने को बदलने का नैसर्गिक अधिकार होता है। इस पर प्रहार करना जनतंत्र को कैद करने जैसा होता है।

एक समय था जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आचार्य जेबी कृपलानी ने कांग्रेस छोड़ दी थी। तब संसद में कांग्रेस के सदस्य एमएन लिंगम ने कटाक्ष करते हुए उनसे पूछा था कि 'आपने कांग्रेस कब छोड़ी?' तो कृपलानी का जवाब था 'जब से कांग्रेस में भ्रष्टाचार और कमीशन का विषाणु आ गया।' उनकी पत्नी सुचेता कृपलानी कांग्रेस में ही रहीं और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। पीलू मोदी स्वतंत्र पार्टी के नेता थे। उन पर सत्तारूढ़ पार्टी सीआइए का एजंट होने का आरोप लगाती थीं। एक दिन वे अपने गले में 'मैं सीआइए का एजंट हूं' की पट्टी लगाकर संसद भवन में चारों तरफ घूम गए। समकालीन भारत में संसद और संसद के बाहर की संवाद शैली में कोई बुनियादी अंतर नहीं रह गया है। एक तरफ की बदजुबानी दूसरी तरफ को बदजुबानी का अवसर दे देती है। फिर टीवी स्टूडियो उसे खाद-पानी, प्रश्रय और प्रोत्साहन देते हैं।

भारतीय जनसंघ पचास-साठ के दशकों में सीमित प्रभाव वाली पार्टी थी। यह नेहरूवादी आर्थिक नियोजन से असहमत थी। तब जनसंघ के सिद्धांतकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'द टू प्लान्स' के नाम से वैकल्पिक आर्थिक दस्तावेज देश के सामने रखा। राम मनोहर लोहिया या जय प्रकाश नारायण के साथ राजनीतिक दस्तावेजों से लेकर राजनीतिक विमर्श होते रहते थे। तिब्बत के प्रश्न पर नेहरू की नीति के विरोध में जयप्रकाश नारायण का सारगर्भित भाषण आज भी उद्धृत होता है। 1989 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ईएमएस नंबूदरीपाद ने पुस्तिका जारी की थी 'द आरएसएस एंड बीजेपी इन द सर्विस आफ राइट रिएक्शन'।

इसमें उन्होंने संघ और भाजपा को प्रतिक्रियावाद और दक्षिणपंथ का एजंट कहा। तब भाजपा ने 'द ग्रेट ब्रिटेयल' नामक पुस्तिका जारी कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कम्युनिस्टों की साम्राज्यवादियों के प्रति पक्षधरता को उजागर किया। इस तरह के वैकल्पिक दस्तावेज और कार्यक्रम आम लोगों का प्रबोधन होते हैं। इसका समाधान क्या है? आज की स्थिति में लोक पहल ही एकमात्र रास्ता है। जब स्वतंत्र रूप से निष्पक्षता से अधिक दूर रहे बिना बात कही और सुनी जाएगी, तब राजनीतिक विमर्श और संबंधों का परिष्कार संभव है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

ठंडे बस्ते में गई तमन्ना भाटिया की 'रागिनी MMS 3'

बॉलीवुड की फेमस हॉरर-थ्रिलर फ्रेंचाइजी 'रागिनी MMS' एक बार फिर चर्चा में है। फैंस काफी समय से इस फिल्म के सीक्वल 'रागिनी MMS 3' का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में एकता कपूर ने तमन्ना भाटिया को कास्ट किया है। लेकिन अब 'रागिनी MMS 3' को लेकर एक निराशाजनक खबर सामने आई है। खबरों के अनुसार तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'रागिनी MMS 3' को फिलहाल अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया है। फिल्म के रुकने की सबसे बड़ी वजह इसके निर्देशक साहिर रज़ा का प्रोजेक्ट से बाहर होना बताया जा रहा है। साहिर रज़ा, जो इससे पहले 'द मैरिड वुमन' और 'इलीगल' जैसी वेब सीरीज का निर्देशन कर चुके हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार साहिर फिलहाल एक नेटफ्लिक्स सीरीज के शो-रनर के रूप में काम कर रहे हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के नए नियमों के अनुसार, शो-रनर का हर दिन सेट पर मौजूद रहना अनिवार्य है। इसी 'शेड्यूलिंग क्लैश' की वजह से वे एकता कपूर की फिल्म को समय नहीं दे पा रहे थे, जिसके बाद उन्हें प्रोजेक्ट से हटा दिया गया है। 'रागिनी MMS' फ्रेंचाइजी अपनी बोल्डनेस और इरोटिक कंटेंट के लिए जानी जाती रही है। हालांकि, 'रागिनी MMS 3' को लेकर चर्चा है कि निर्माता एकता कपूर इस बार फिल्म के जॉनर में बदलाव करने जा रही हैं। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी समय से बहस चल रही है कि क्या यह पिछली फिल्मों की तरह बोल्ड होगी?

2026 में ये फिल्में हॉरर, एक्शन और फोकलोर को लाएंगी एक साथ

साल 2026 भारतीय सिनेमा के लिए एक जबरदस्त बनने वाला है। इस साल फिल्ममेकर अलग-अलग शैलियों की कहानियों को बड़े परदे पर पेश करने वाले हैं, जिनमें डार्क एक्शन एडवेंचर, पीरियड ड्रामा, लोककथाओं पर आधारित फिल्में और हॉरर-कॉमेडी शामिल हैं। दर्शक भी अब नई शैलियों और बड़े पैमाने की फिल्मों को अपनाने लगे हैं। इस साल की आने वाली फिल्मों की लाइनअप में तरह-तरह की कहानियां, बड़े बजट और नई किस्म की स्टोरीटेलिंग देखने को मिलने वाली है। आइए नजर डालते हैं 2026 की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों पर।

धुरंधर: द रिवेंज

रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर. माधवन और अक्षय खन्ना के दमदार कास्ट के साथ धुरंधरः द रिवेंज एक बड़े स्तर की एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। ये फिल्म ड्रामेटिक और पीरियड स्टोरीटेलिंग पर बेस्ड है। अपनी ग्रैंड दुनिया और एंबिशियस विजुअल्स के साथ ये फिल्म 19 मार्च, 2026 को रिलीज़ होने पर दर्शकों को एक स्पेक्ट्रैकल एक्सपीरियंस देने का वादा करती है।

टॉक्सिक

यश स्टारर टॉक्सिक एक दमदार और टफ एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। फिल्म में जो इंटेंस और एडजी अंदाज दिखाया गया है, वो इस जॉनर में नया तड़का देगा। बोल्ड कहानी और जोरदार विजुअल्स की वजह से ये फिल्म पहले ही चर्चा में है और 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद दर्शकों को काफी पसंद आने वाली है।

भूत बंगला

ह्यूमर, हॉरर और पुराने जमाने की यादों को मिलाकर बनी भूत बंगला एक हॉरर-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म बालाजी मोशन पिक्चर्स के प्रेजेंटेशन में और प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी है। फिल्म में इस आइकोनिक जोड़ी की बेहद इंतजार की जाने वाली वापसी देखने को मिल रही है, जो फैन्स के उत्साह को और बढ़ा रही है। 10 अप्रैल, 2026 को रिलीज़ होने वाली यह फिल्म हंसी और सस्पेंस का शानदार मेल पेश करेगी।

कभी 'किताबी कीड़ा' थीं शर्लिन चोपड़ा

बॉलीवुड की विवादित और बेबाक एक्ट्रेस में शुमार शर्लिन चोपड़ा 11 फरवरी को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अपनी अदाओं और तीखे बयानों से इंटरनेट का पारा बढ़ाने वाली शर्लिन भले ही बड़े पर्दे पर सुपरहिट फिल्में न दे पाई हों, लेकिन 'सुर्खियों' में कैसे बने रहना है, यह उन्हें बखूबी आता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि शर्लिन का असली नाम मोना चोपड़ा है। हैदराबाद में जन्मी शर्लिन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में फिल्म 'टाइमपास' से की थी। इसके बाद उन्होंने दोस्तीः फ्रेंड्स फॉरएवर, रकीब और रेड स्वस्तिक जैसी फिल्मों में काम किया। शर्लिन को देखकर कोई नहीं कह सकता कि टीनएज में वह बेहद शर्मीली थीं। शर्लिन ने खुद खुलासा किया था कि 15 साल की उम्र तक वह सिर्फ पढ़ाई और अपनी किताबों में खोई रहती थीं। उन्हें पार्टियों में जाना या लड़कों से बात करना पसंद नहीं था। लेकिन फिर उन्होंने एक साहसी फैसला लिया, खुद का स्टाइल बदला और फैशन की दुनिया में कदम रखा। शर्लिन चोपड़ा के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जिसे आज तक कोई भारतीय अभिनेत्री नहीं तोड़ पाई। साल 2012 में वह इंटरनेशनल प्लेबॉय मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट कराने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इस एक फैसले ने उन्हें रातों-रात ग्लोबल लेवल पर चर्चा में ला दिया था।

राजपाल यादव के सपोर्ट में पहाड़ की तरह खड़ा है बॉलीवुड

राजपाल यादव के सरेंडर करने और 9 करोड़ के कर्ज और चेक बाउंस केस में तिहाड़ जेल भेजे जाने से ठीक पहले, इंडस्ट्री में उनका कोई दोस्त न होने के बारे में इमोशनल बयान सामने आने के बाद, फिल्म इंडस्ट्री अब एक्टर को उनका बकाया चुकाने में सपोर्ट करने के लिए एकजुट हो गई है। एक्टर सोनू सूद ने सबसे पहले बॉलीवुड से आगे आकर राजपाल की मदद करने की अपील की थी, और अब, स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में, एक्टर के मैनेजर ने बताया है कि कई A-लिस्ट सेलिब्रिटी ने अपना सपोर्ट दिया है। राजपाल यादव इन दिनों सुर्खियों में हैं। एक्टर की आर्थिक स्थिति सामने आने के बाद उन्हें बॉलीवुड से सपोर्ट मिल रहा है। कई सितारों के बीच सलमान खान भी आगे आए हैं। इसके अलावा एक और सुपरस्टार ने उन्हें सपोर्ट किया है।

राजपाल यादव और सलमान खान

राजपाल यादव के सरेंडर करने और 9 करोड़ के कर्ज और चेक बाउंस केस में तिहाड़ जेल भेजे जाने से ठीक पहले, इंडस्ट्री में उनका कोई दोस्त न होने के बारे में इमोशनल बयान सामने आने के बाद, फिल्म इंडस्ट्री अब एक्टर को उनका बकाया चुकाने में सपोर्ट करने के लिए एकजुट हो गई है। एक्टर सोनू सूद ने सबसे पहले बॉलीवुड से आगे आकर राजपाल की मदद करने की अपील की थी, और अब, स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में, एक्टर के मैनेजर ने बताया है कि कई A-लिस्ट सेलिब्रिटी ने अपना सपोर्ट दिया है।

इन सितारों से मिली मदद

राजपाल यादव के मैनेजर गोल्डी ने कहा, 'बहुत से लोग राजपाल यादव की मदद के लिए आगे आए हैं। सोनू सूद, सलमान खान और अजय देवगन जैसे एक्टर ने अपना सपोर्ट दिया है। मैं अभी डेविड धवन के साथ कॉल पर था - उन्होंने भी मदद की। रतन जैन, वरुण धवन... इस बार कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं, जिसकी राजपाल ने बहुत तारीफ की है।' अब तक सोनू सूद ने राजपाल यादव को अपनी आने वाली फिल्म में एक रोल और एक छोटा सा साइनिंग अमाउंट देकर सपोर्ट किया है। उनके अलावा पॉलिटिशियन तेज प्रताप यादव ने 11 लाख, KRK ने 10 लाख, और म्यूजिक प्रोड्यूसर राव इंद्रजीत सिंह ने एक्टर को अपना कर्ज चुकाने और जमानत दिलाने में मदद के लिए 1.11 करोड़ देने की पेशकश की है।

श्वेता तिवारी ने ऑलिव ग्रीन ड्रेस में बिखेरा हुस्न का जलवा

अगर उम्र महज एक नंबर है, तो श्वेता तिवारी इसकी सबसे बड़ी मिसाल हैं। 45 साल की श्वेता तिवारी अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में श्वेता ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिसे देखकर अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वह दो बच्चों की मां हैं। इन तस्वीरों में श्वेता तिवारी ऑलिव ग्रीन कलर का को-ऑर्ड सेट पहने दिख रही हैं। मल्टी-लेयर्ड रफल स्कर्ट उनके लुक को एक्स्ट्रा वॉल्यूम और ड्रामा दे रही है। यह ड्रेस न केवल उनके टोंड फिगर को फ्लॉन्ट कर रही है, बल्कि उनके ग्रेस को भी बढ़ा रही है। मिनिमल मेकअप और स्ट्रेट ओपन बालों के साथ श्वेता ने अपना लुक कम्प्लीट किया है। श्वेता की आंखों में एक अलग चमक और मुस्कुराहट में वो 'वॉव फैक्टर' है जो किसी को भी पलकें झपकने नहीं देता। तस्वीरों में श्वेता कभी सोफे पर रिलैक्स्ड मोड में बैठी दिख रही हैं, तो कभी अपनी ड्रेस के रफल्स के साथ खेलते हुए किलर पोज़ दे रही हैं। उनके पोज़ इतने नेचुरल और अपीलिंग हैं कि फैंस कमेंट सेक्शन में उन्हें 'नेशनल क्रश' तक बुला रहे हैं। श्वेता तिवारी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में की थी, लेकिन उन्हें असली पहचान एकता कपूर के सुपरहिट शो 'कसौटी जिंदगी की' में 'प्रेरणा शर्मा' के किरदार से मिली। वह कई रियलिटी शोज और फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

अनिल कपूर की एक्शन ड्रामा फिल्म सूबेदार का धमाकेदार टीजर रिलीज

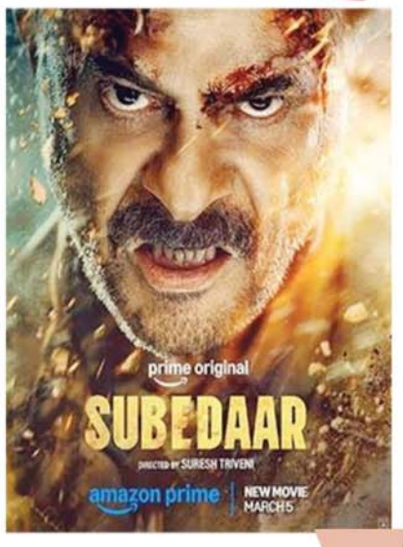

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ऑरिजिनल एक्शन-ड्रामा मूवी 'सूबेदार' के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 5 मार्च को प्रीमियर के लिए तैयार है। सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म 'सूबेदार' का निर्देशन किया हैं और इसे विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर, और सुरेश त्रिवेणी ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। ओपनिंग इमेज फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क (AKFCN) के साथ मिलकर तैयार की गई ये फिल्म बेहद दमदार और जज्बातों से भरी एक्शन-ड्रामा है। 'सूबेदार' की कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है जिसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैजल मलिक और मोना सिंह ने भी अहम किरदार निभाए हैं। सूबेदार फिल्म में एक रिटायर्ड फौजी, सूबेदार अर्जुन मौर्या की जिंदगी के उतार-चढ़ाव भरे सफ़र को दिखाया गया है, जो आज की बदलती दुनिया में सुकून पाने की तलाश में है, जहाँ उसके उन उसूलों पर सवाल उठाए जा रहे हैं जिसके सहारे उसने जिंदगी बिताई है। फिल्म में अनिल कपूर ने ज़बरदस्त अभिनय किया है, जो अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हैं, साथ ही अपने बिखरे हुए परिवार को जोड़ने की कोशिश करते हुए हमेशा सही का साथ देते हैं। भारत का हृदयस्थल में बसी, इस फिल्म में समाज के गिरते स्तर के बीच सम्मान तलाशने की दमदार कहानी को बड़ी संजीदगी से पर्दे पर दिखाया गया है।

निखिल सिद्धार्थ स्टारर स्वयंभू का टीजर

अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म स्वयंभू का टीजर हो गया है। फिल्म स्वयंभू में निखिल सिद्धार्थ लीड रोल में हैं। यह फिल्म एक बड़े ऐतिहासिक महाकाव्य की तरह बनाई गई है। इस फिल्म में साम्युक्ता और नभा नतेश भी अहम भूमिकाओं में हैं। उत्साह को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब इसका बेहद इंतजार किया जाने वाला टीज़र जारी कर दिया है, जिसमें दर्शकों को स्वयंभू की दुनिया की एक दमदार झलक देखने को मिलती है। कहानी के केन्द्र में है सेंगोल, एक प्राचीन पवित्र राजदंड, जो सही नेतृत्व, न्याय और नैतिक ताकत का प्रतीक माना जाता है।कहानी सेंगोल के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे हासिल करने के लिए अलग-अलग राज्यों के बीच भयंकर युद्ध और हमले होते हैं।

यह फिल्म भारत कृष्णमाचारी द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है। इसमें केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर का दमदार म्यूज़िक है, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर केके सेंथिल कुमार की शानदार सिनेमैटोग्राफी है और बाहुबली फेम तम्मिराजू की एडिटिंग है, साथ ही कई और जाने-माने टैलेंट्स भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। स्वयंभू को पिक्सेल स्टूडियोज़ के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है।इस भव्य फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, चीनी, स्पेनिश और अरबी सहित कई भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज़ किया जाएगा। स्वयंभू की रिलीज़ 2026 की गर्मियों में तय की गई है।

दीपिका सिंह ने जंगल में उछलते-कूदते किया डांस

टीवी धारावाहिक 'दीया और बाती हम' में संध्या बींदणी का किरदार निभाकर घर-घर मशहूर हुईं दीपिका सिंह किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह न सिर्फ कमाल की एक्ट्रेस हैं, बल्कि जबरदस्त डांस भी करती हैं। दीपिका सिंह सोशल मीडिया पर अकसर अपने डांस वीडियोज शेयर करती रहती हैं। कई बार तो दीपिका का उनके डांस मूव्स के लिए खूब मजाक भी उड़ाया गया, पर एक्ट्रेस ने आलोचना को पॉजिटिव तरीके से लिया और डांस में सुधार करती चली गईं। अब हाल ही दीपिका ने अपना एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह साड़ी पहन जंगल में क्लासिकल मूव्स दिखा रही हैं। और फैंस उनके डांस के मुरीद हो गए हैं। दीपिका सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर डांस वीडियो शेयर किया है। दीपिका ने सुमेध के, के गाए भक्ति गीत 'तुलसी' पर क्लासिकल डांस किया है। इस गाने में तुलसी मां की भक्ति की गई है। दीपिका का डांस देख काफी फैंस ने कमेंट किए हैं। जो लोग कभी दीपिका के अतरंगी डांस के लिए उनकी आलोचना करते थे, वो भी उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया है, 'बहुत ही सुंदर डांस है दीपिका जी का। लगता है बहुत बचपन से ही तैयारी कर रही हैं। रेखा जी के बाद में आपका डांस बहुत अच्छा लगा।' एक बोला, 'एकदम मोरनी लग रही हो।' एक यूजर ने लिखा, 'वाह, कितना ग्रेसफुल और प्यारा है।' एक बोला, 'मेरी मोरनी, क्या डांस किया है। क्या लुक और एक्सप्रेशन्स हैं।'

तितलियों से खेलते, झरने के नीचे नहाती दिखी मोनालिसा

महाकुंभ में माला बेचने के दौरान वायरल हुई मोनालिसा की फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' का ट्रेलर लॉन्च हो गया। ट्रेलर सिविल लाइंस के एक होटल में लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म की हीरोइन मोनालिसा, हीरो अमित राव, अभिषेक त्रिपाठी, दिनेश त्रिवेदी और डायरेक्टर सनोज मिश्रा मौजूद रहे। फिल्म में मोनालिसा मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में लव स्टोरी और एक बेटी के संघर्षों को दिखाया गया है। मोनालिसा इसमें सेना के अफसर की बेटी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग साल-2025 में शुरू हुई थी। फिल्म केमेन लोकेशन में इटावा का राजा सुमेर सिंह किला और देहरादून के जंगल हैं। फिल्म अप्रैल के पहले हफ्ते में रिलीज होगी।

सूर्यास्त के बाद नियमित रूप से दीप जलाना शुभ

हमारे सनातन धर्म में शाम के समय तुलसी के पास दीप जलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा कई लोग रोज शाम को घर की चौखट पर भी दीया जलाते हैं। दरअसल सूर्यास्त के बाद नियमित रूप से दीया जलाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा रोज करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। बात करें घर की चौखट पर दीया जलाने की तो इससे आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती है। साथ ही इससे घर का माहौल पवित्र और शांत होता है। हालांकि, दीया जलाने की सही विधि जानना भी जरूरी होता है। दीये की सही दिशा, स्थान और साफ-सफाई जैसे कई नियम हैं, जिनके बारे में हमें पता होना चाहिए।

दीप जलाते वक्त रखें इन नियमों का ध्यान

1. आप जिस जगह भी दीया जलाने वाले है, वहां की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। इतना जान लें कि गंदी जगह पर दीया जलाना शुभ नहीं है। शाम में जब भी आप दीया जलाने जाए तो सबसे पहले उस जगह को साफ कर लें जहां पर आपको दीया रखना है। अगर गंदी जगह पर ही दीया जला दिया जाता है तो माना जाता है कि इससे घर में नेगेटिविटी आराम से आ सकती है।

2. सूर्यास्त के बाद दीया जलाना सही माना जाता है। बता दें कि सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल होता है और इसी समय दीया जलाने से घर में पॉजिटिविटी आती है लेकिन देर रात ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ विशेष दिनों को छोड़ रात में दीया जलाना सही नहीं माना जाता है।

3. दीया में तेल डालना है या फिर घी? इसे लेकर कई लोगों में कन्फ्यूजन बना रहता है। बता दें कि घर के मंदिर में घी का दीया जलाना शुभ होता है। वहीं घर के बाहर या फिर तुलसी मां के पास दीया जलाने के लिए सरसों के तेल या फिर तिल के तेल का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

4. सबसे जरूरी चीज जिसे लेकर अधिकतर लोग गलती करते हैं और वो है दीए की सही दिशा। बहुत से लोगों को नहीं पता होता है कि दीए को किस दिशा में जलाना सही होता है। बता दें कि वास्तु के हिसाब से दीए को हमेशा ईशान कोण की ओर ही जलाना शुभ होता है। हर एक पूजा के लिए दिशाएं अलग-अलग हो सकती हैं।

5. जब भी आप दीया जलाने जाए तो ये सुनिश्चित करें कि आपके हाथ साफ हो। कभी भी गंदे हाथ से दीए को ना जलाएं। ऐसा करने से घर में नेगेटिविटी ही आएगी। ऐसे में साफ-सुथरे हाथ के साथ ही दीया जलाएं। इसके अलावा कभी भी दीए को फूंक मारकर ना बुझाएं। साथ ही दीया जलाने के तुरंत बाद ही दरवाजा नहीं बंद कर लेना चाहिए।

घर बनवाने से पहले जान लें ये वास्तु नियम

ना करें ये गलतियां

नए घर का निर्माण करवाते समय लोग शुभ मुहूर्त का ध्यान रखते हैं। वहीं, वास्तु शास्त्र में घर बनवाने को लेकर कई बातें बताई गई हैं। कहते हैं यदि घर बनवाते समय वास्तु के नियमों का पालन किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन जब घर वास्तु के अनुरूप नहीं बना हो, तो इसका नकारात्मक प्रभाव जीवन में पड़ता है। इससे घर की सुख और शांति छिन जाती है। ऐसे में घर बनवाते समय वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन-धान्य में कोई कमी नहीं रहती है।

नींव से जुड़े वास्तु नियम

घर बनवाते समय सबसे पहले नींव रखी जाती है। घर की नींव हमेशा उचित दिशा में होना आवश्यक होता है। वास्तु के मुताबिक नींव की खुदाई और भूमि पूजन हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा से ही कराना चाहिए। इसे सुख-समृद्धि की दिशा कहते हैं। इसे भगवान शिव का निवास स्थान और देवताओं की दिशा भी माना गया है। यह ज्ञान, विद्या और सकारात्मक ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। इसके अलावा पश्चिम की दिशा को सबसे अंतिम में खोदना चाहिए। वहीं, दक्षिण की दिशा में नींव भरने का काम करना चाहिए। मकान में सबसे पहले दक्षिण की दीवार और उसके बाद पश्चिम की दिशा की दीवार बनवानी चाहिए। सबसे अंत में उत्तर व पूर्व दिशा में दीवार बनवाएं।

वास्तु के अनुसार, मकान की नींव में पहली ईंट हमेशा स्थिर लग्न, शुभ मुहूर्त और शुभ दिन पर ही कराना चाहिए। इससे बाधाएं नहीं आती है। साथ ही घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा धन के योग भी बनते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जिस लग्न अथवा राशि में आप नींव रखें वह आठवीं नहीं होनी चाहिए।

नहीं लगवाएं पुरानी चीजें

मकान बनवाते समय कुछ चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जैसे कुछ लोग मकान में पुरानी लकड़ी, लोहा आदि लगवाते हैं। लेकिन यह वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं है। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। इसका असर सेहत पर भी पड़ता है। साथ ही वास्तु देवता भी नाराज हो जाते हैं।

बीच में ना रोकें कार्य

घर निर्णाण कार्य यदि आपने शुरू करवा दिया है, तो बीच-बीच में इसे नहीं रोकना चाहिए। इसे कंप्लीट करवाकर ही बैठें। मान्यता है कि इससे राहु का वास हो जाता है। इससे घर के सदस्यों में मनमुटाव रहता है। साथ ही छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगते हैं।

खिड़की और नल की दिशा

मकान बनवाते समय खिड़कियों का पूरा ध्यान रखें। घर में खिड़कियों की जगह हमेशा उत्तर व पूर्व में होनी चाहिए। घर में बड़ी से बड़ी खिड़की बनाने का प्रयास करें। साथ ही नल की दिशा का भी ध्यान रखें। पानी का नल लगाने के लिए उत्तर या पूर्व की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। भूलकर भी किसी नल को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

बिना मेकअप के सुंदर दिखने के ब्यूटी हैक्स

असली खूबसूरती वो नहीं होती, जो मेकअप की परतों के पीछे छिपी हुई रहती है, बल्कि वो है जो सुबह बिना चेहरा धोए भी फ्रेश और ग्लोइंग लुक देती है। अक्सर लोग चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए महंगे कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जो लंबे समय में केमिकल मौजूद होने की वजह से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में क्या आप जानते हैं 6 ब्यूटी हैक्स ऐसे हैं, जो आपकी त्वचा को बिना नुकसान पहुंचाएं दमकता निखार दे सकते हैं। जी हां, बिना मेकअप के 'ग्लो' करना पूरी तरह से आपकी सेहत, अनुशासन और स्किन की बुनियादी देखभाल पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं ऐसे ब्यूटी हैक्स, जिनकी मदद से आप भी पा सकते हैं बिना मेकअप लुक।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। ऐसा करने से चेहरे के टॉक्सिन्स बाहर निकालने की वजह से त्वचा पर नेचुरल निखार आता है। हफ्ते में 2-3 बार नारियल पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है।

'CTM' रूटीन को फॉलो करें

बिना मेकअप के त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए स्किन का साफ और हेल्दी रखना जरूरी है। इसके लिए दिन में दो बार माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धोएं। टोनिंग करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल टोनर की तरह करें, यह रोमछिद्रों को टाइट रखता है। चेहरे को मॉइस्चराइज रखने के लिए अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

सनस्क्रीन भी है जरूरी

भले ही आप घर के अंदर हों, SPF 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन चेहरे को यूवी किरणों से बचाने के लिए जरूर लगाएं। यह पिगमेंटेशन, काले धब्बे और समय से पहले आने वाली झुर्रियों से बचाव करता है।

आंखों और होंठों का ख्याल रखें

डार्क सर्कल्स से बचाव करने के लिए 7-8 घंटे की नींद लें। आंखों के नीचे ठंडे टी-बैग्स या खीरे के स्लाइस रखें। होंठों का गुलाबी निखार बनाए रखने के लिए रात को सोते समय होंठों पर घी या मलाई लगाएं। हफ्ते में एक बार चीनी और शहद से होंठों को स्क्रब करें।

आइब्रो और बालों को संवारें

अच्छी तरह से बनी हुई आइब्रो आपके चेहरे को एक स्ट्रक्चर देती हैं और आप बिना मेकअप के भी प्रेजेंटेबल लगती हैं। बालों को साफ रखें और अपने चेहरे के हिसाब से एक अच्छा हेयरकट लें।

अच्छी डाइट और एक्सरसाइज

अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां और नट्स शामिल करें। रोजाना 20 मिनट की एक्सरसाइज या योग करने से चेहरे पर 'ब्लड सर्कुलेशन' बढ़ता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल गुलाबी निखार आता है।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत

बढ़ते हुए बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ढेर सारे न्यूट्रिशन की जरूरत होती है,लेकिन काफी सारे बच्चों की डाइट में इन न्यूट्रिशन की पूर्ति नहीं हो पाती। जिसकी वजह से उनके फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर असर पड़ता है। काफी सारे बच्चों की हाइट नहीं बढ़ती तो वहीं काफी सारे बच्चों का माइंड शार्प नहीं होता या उनकी मेमोरी शार्प नहीं होती। जिससे पढ़ा-लिखा भूल जाते हैं। अगर आप बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहती हैं तो उसे दूध में मिलाकर इन चीजों को दें। जो ना केवल फिजिकल बल्कि मेंटली भी स्ट्रांग बनाने में मदद करेंगे।

दूध में इन चीजों को मिलाकर पिलाएं

500 मिली उबले दूध को मिक्सर जार में डालें। ध्यान रहे कि ये दूध बहुत ज्यादा गर्म ना हो। दूध को हल्का गर्म ही रखें। उसमे दस भीगे बादाम, दस भीगे अखरोट को डालें। साथ ही आधा छोटा चम्मच शतावरी पाउडर, एक छोटा चम्मच अश्वगंधा पाउडर, एक चम्मच भुने सफेद तिल को मिलाएं। मिठास के लिए थोड़ा सा शहद मिला लें। अब ब्लेंडर में पीस लें।

रोजाना पिलाएं

बच्चों को रोजाना सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले एक कप दूध को पिलाएं। इससे बढ़ते हुए बच्चे जो दस से बारह साल की उम्र में होते हैं। उनमे हार्मोन को रेगुलेट करने के साथ ही हड्डियों के विकास में भी मदद करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि बच्चे को किसी तरह की बीमारी हो या फिर बच्चे के लिए खास तरह की खानपान से जुड़ी सावधानियां बताई गईं हो तो उन्हें ये दूध नहीं पिलाना चाहिए। या पिलाने से पहले डॉक्टर से कन्सर्ट कर लेना चाहिए। शतावरी की एक-एक ग्राम मात्रा मिलाकर बच्चों को देने से उनकी हाइट को बढ़ाने में मदद मिलती है।

अश्वगंधा और शतावरी के फायदे

बादाम और अखरोट में मौजूद तत्व माइंड की ग्रोथ में जरूरी भूमिका निभाते हैं। आयुर्वेद में अश्वगंधा और शतावरी के कई सारे फायदे बताए गए हैं। बच्चों की हाइट बढ़ानी हो तो उन्हे अश्वगंधा मददगार होती है।

गमले में कैसे उगाएं तेज पत्ता?

खाने का जायका बढ़ाने में तेज पत्ता काफी मदद करता है। 1-2 तेज पत्ता अगर सब्जी में डाल दिया जाए, तो इसकी खुशबू से पूरी सब्जी महक उठती है। तेज पत्ता सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। तेज पत्ता में यूजेनॉल, लिनालूल और सिनोल जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन A, विटामिन C, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

तेजपत्ता का पौधा लंबा होता है, इसलिए गमला थोड़ा बड़ा चुनें। इसमें अच्छी मिट्टी भरें और गोबर-चायपत्ती मिक्स करके डालें। इससे मिट्टी को पोषण मिलेगा और खाद्य बन जाएगी। गमले में पानी निकासी के लिए नीचे की ओर छोटा सा छेद बनाएं। मिट्टी को इसमें अच्छे से भर दें और हाथों से दबाएं। फिर तेजपत्ता के पौधे की कटिंग या फिर बीज लाकर मिट्टी में डालना होगा।

मिट्टी में 4-5 इंच गड्ढा करें और इसमें कटिंग या बीज को डालकर दबाएं। जरा सा पानी डालकर कटिंग-बीज को अच्छे से सेट करें। पौधे की कटिंग से तेजपत्ता जल्दी निकल आएगा और ये आपको किसी भी नर्सरी से मिल जाएगी। पौधे को लगाने के बाद 2 दिन तक पानी बिल्कुल न डालें। जब मिट्टी पूरी तरह से सूखी नजर आए, तभी इसमें पानी डालें। ज्यादा पानी देने से पौधे की मिट्टी और इसकी जड़े सड़ जाएगी। इस गमले को रोजाना 5-6 घंटे की धूप दिखाना भी जरूरी है, वरना पौधा मुरझा जाएगा। 15 दिन में एक बार गोबर, चाय पत्ती या जैविक खाद्य जैसे फल-सब्जियों के छिलके इसमें डाल दें। इससे मिट्टी पोषण से भरपूर रहेगी और पौधा जल्दी निकलेगा। कीड़ों से बचाने के लिए मिट्टी में नीम के तेल का छिड़काव करें। इससे पौधे में कीड़े नहीं लगेंगे। महीने भर में पौधे में छोटी पत्तियां निकलने लगेंगी और ये धीरे-धीरे बढ़ेंगी। फिर आप इन्हें तोड़कर धूप में सुखाएं। बाजार जैसा तेजपत्ता तैयार हो जाएगा। बिना सुखाए भी तेजपत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी खुशबू सब्जी का स्वाद बढ़ा देगी।

बच्चों को दें अच्छे संस्कार

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हो कर एक समझदार, दयालु और इमोशनली स्ट्रांग इंसान बने। लेकिन बच्चे में ये गुण सख्ती, डांट या लंबे उपदेशों से नहीं आते। ये रोज के छोटे व्यवहारों से बनते हैं, जो आप अपने बच्चे को सिखाते और दिखाते हैं। बच्चा आपकी बातें कम और आपका व्यवहार ज्यादा अपनाता है, खासकर तब जब आप थके हों, नाराज हों या हालात आपके मन के अनुसार ना हों। ऐसे पलों में आप जो व्यवहार करते हैं, बच्चा भी वही सीखता है।

बच्चे को रिएक्ट करने से पहले रुकना सिखाएं

जब आपका बच्चा गुस्से में तुरंत बोल देता है या कुछ कर बैठता है, तो उसे बस चुप कराने की कोशिश ना करें। उसे यह सिखाएं कि गुस्सा आने पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय थोड़ी देर रुकना चाहिए। आप उसे समझा सकते हैं कि रुकने से दिमाग शांत होता है और इससे सही फैसला लेना आसान होता है। यह आदत आपके बच्चे को खुद पर कंट्रोल करना सिखाएगी, जो जीवन में बहुत काम आती है।

दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना सिखाएं

जब आप अपने बच्चे की बात ध्यान से सुनते हैं, तो वह खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है। इसी तरह आप उसे भी सिखा सकते हैं कि दूसरों की बात बीच में ना काटें और पूरा सुनें। इससे उसके अंदर सम्मान और समझ पैदा होती है। ऐसे बच्चे आगे चलकर रिश्तों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

गलती मानना सिखाएं

आप अपने बच्चे को यह जरूर सिखाएं कि गलती होना आम है। इसलिए जब भी गलती हो जाए तो उसे एक्सेप्ट कर लेना चाहिए। आप खुद भी अपनी गलती मानते हैं, तो बच्चा भी यही सीखता है। उसे समझ आता है कि सच्ची हिम्मत गलती छिपाने में नहीं, बल्कि उसे स्वीकार करने में है। इससे उसमें ईमानदारी और आत्मविश्वास आता है।

पावभाजी पराठा

अगर आप रोज-रोज वही बोरिंग सादा आलू-गोभी या मेथी का पराठा खाकर ऊब चुके हैं, तो अब ट्राई करें झटपट बनने वाला टेस्टी पावभाजी पराठा। यह टेस्टी पराठा आपके जायके को एक जबरदस्त किक देने वाला है। खास बात यह है कि यह पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि पावभाजी के तीखेपन और पराठे की कुरकुरी परत का एक लाजवाब कॉम्बो है। बच्चों के टिफिन से लेकर संडे ब्रंच तक, यह पराठा उन सभी के लिए परफेक्ट रेसिपी है जो खाने में थोड़ा 'एक्स्ट्रा' तड़का ढूंढ रहे हैं।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादानुसार, पराठे का आटा गूंधने के लिए पानी, घी आवश्यकतानुसार

पाव भाजी की स्टफिंग तैयार करने के लिए

3 उबले आलू (मैश किए हुए), कप उबली हुई फूलगोभी, कप उबले हुए मटर, 1 बारीक कटी प्याज, 2 बारीक कटे हुए टमाटर, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, छोटा चम्मच हल्दी, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस

कैसे बनाया जाता है पाव भाजी पराठा

पाव भाजी तैयार करने के लिए सबसे पहले कड़ाही में मक्खन गरम करके उसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर खुशबू आने तक पकाएं। अब टमाटर डालकर तब तक पकाएं जब तक वे गलकर नरम न हो जाएं। इसके बाद कड़ाही में हल्दी, लाल मिर्च, नमक और पाव भाजी मसाला डालकर अच्छे से मिलाने के बाद उबली हुई सब्जियां डालकर अच्छे से मैश करते हुए 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में नींबू का रस और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

पराठा बनाएं

पाव भाजी पराठा बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे में नमक डालकर नरम आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे की लोई लेकर हल्का बेलें और बीच में पाव भाजी की स्टफिंग रख दें। इसके बाद लोई बंद करके हल्के हाथों से पराठा बेल लें। पराठे को गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाते हुए सुनहरा होने तक सेंकें।

कोंडागांव में नवीन बस स्टैंड एवं बायपास रोड संचालन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

16 फ़रवरी से संचालन प्रारंभ करने पर बनी सहमति, आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा

कोण्डागांव। बुधवार दोपहर 1 बजे एसडीएम कार्यालय कोंडागांव में एसडीएम अजय उरांव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नवीन बस स्टैंड के सुव्यवस्थित संचालन एवं बायपास रोड को आगामी 16 फ़रवरी से प्रारंभ करने के संबंध में आवश्यक तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक में बस यूनियन एवं ऑटो संघ के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं। एसडीएम उरांव ने सभी संबंधित पक्षों से समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि नवीन बस स्टैंड के संचालन से शहर में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा मुख्य बाजार क्षेत्र में लगने वाले जाम से आमजन को राहत मिलेगी। बैठक के दौरान बसों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था, यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं, टिकट काउंटर, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था एवं साफ-सफाई जैसे विषयों

पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बायपास रोड के उपयोग से भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश से रोकने तथा ट्रैफ़िक दबाव कम करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बस यूनियन के प्रतिनिधियों ने नवीन बस स्टैंड में पर्याप्त स्थान, समय सारणी के अनुसार बसों के संचालन तथा यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देने की मांग रखी। वहीं ऑटो संघ के पदाधिकारियों ने ऑटो स्टैंड के लिए निर्धारित स्थान, सवारी चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था एवं यातायात पुलिस के सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। एसडीएम उरांव ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि 16 फ़रवरी से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, ताकि संचालन प्रारंभ होने के साथ ही किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना है, जिसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं संघ प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह निर्णय लिया गया कि निर्धारित तिथि से नवीन बस स्टैंड एवं बायपास रोड का संचालन प्रभावी रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। नगरवासियों को उम्मीद है कि इस पहल से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और शहर को जाम की समस्या से राहत मिलेगी

बस्तर पुलिस ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर दिए सख्त निर्देश

रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन पर प्रतिबंध, ध्वनि सीमा का पालन अनिवार्य

जगदलपुर। परीक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए बस्तर पुलिस द्वारा डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक बस्तर श्री शलभ सिन्हा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमित देवांगन के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली परिसर में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन कार्यवाहक थाना प्रभारी कोतवाली श्री शिवानंद सिंह द्वारा किया गया।बैठक में जगदलपुर क्षेत्र के सभी डीजे संचालकों को आगामी विवाह समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों के दौरान शासन द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रात्रि 10:00 बजे के बाद बिना

सक्षम अनुमति के डीजे अथवा लाउडस्पीकर का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत निर्धारित डेसीबल सीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी भी प्रकार की अत्यधिक ध्वनि, सार्वजनिक शांति भंग करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की स्थिति में संबंधित डीजे संचालक के विरुद्ध ध्वनि प्रदूषण अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।पुलिस प्रशासन ने सभी संचालकों से शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा आम नागरिकों से भी सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

पॉलीटेक्निक और आईटीआई में लगा रक्त दान शिविर, 11 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

बीजापुर। शासकीय पॉलीटेक्निक और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बीजापुर में भारतीय यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के बैनर तले रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में यूथ रेडक्रॉस से जुड़े छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और कुल 11 यूनिट रक्तदान किया। यह शिविर जिला रेडक्रॉस शाखा और जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित हुआ। इसका मकसद जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और युवाओं में सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में जिला संगठक नर्वेद सिंह, डॉ. सीके राहंगडाले, शासकीय पॉलीटेक्निक के प्राचार्य, आईटीआई प्राचार्य नायक, रेडक्रॉस शाखा के प्रभारी चितरंजन लाल समेत संस्थान के कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनके इस सराहनीय प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

परीक्षा के दौरान टाइम मैनेजमेंट और पॉजिटिव एटीट्यूड सर्वाधिक महत्वपूर्ण : कलेक्टर

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्री-बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया गया। पीएम श्री नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान समय-प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण होता है। निर्धारित समय में अधिक से अधिक प्रश्नों का सही उत्तर लिखने के लिए टाइम मैनेजमेंट जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि जिन प्रश्नों के उत्तर वे बेहतर ढंग से दे सकते हैं, उन्हें पहले हल करें और उत्तर लिखते समय विषयांतर से बचें। कलेक्टर ने सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि नियमित अध्ययन, सही

योजना और पॉजिटिव एटीट्यूड के साथ परीक्षा देने से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विषयवार तैयारी, संयमित खानपान तथा बाहर के खाद्य पदार्थों से परहेज करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि 'हमर लक्ष्य' अभियान के तहत पिछले वर्षों में जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इस वर्ष भी राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला प्रशासन द्वारा मुंबई की हवाई यात्रा कराई जाएगी। साथ ही सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट एवं स्कूटी प्रदान की जाएगी तथा शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले विद्यालयों को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने विषयवार प्रबंधन और प्रश्न चयन की प्राथमिकता पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा को लेकर तनावमुक्त रहने और आत्मविश्वास के साथ उत्तर लिखने की अपील की। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. पल्लवी क्षीरसागर ने शिक्षा मनोविज्ञान के आधार पर विद्यार्थियों को गहन अध्ययन, समय प्रबंधन और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रायपुर से आए मोटिवेशनल स्पीकर्स ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने चावल गोदाम का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को कनेरा रोड स्थित नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम पहुंचकर चावल के भंडारण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के लिए चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी पीडीएस दुकानों तक राशन पहुंचाने के लिए समुचित परिवहन व्यवस्था के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को समय पर राशन सामग्री मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ , एसडीएम , तहसीलदार और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ए.पी.जे. स्कूल केशरपाल में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बस्तर। डॉ. ए.पी.जे. स्कूल, केशरपाल में 11 फ़रवरी 2026 को वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जनपद उपाध्यक्ष तरुण पांडे, जनपद सदस्य श्रीमती विनिता ठाकुर, ग्राम सरपंच श्रीमती जमुना कश्यप, ग्राम माता पुजारी भगचंद सहित पंचगण एवं अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

पाँचों शाखाओं के विद्यार्थियों ने किया संयुक्त प्रदर्शन–इस वार्षिक उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि डॉ. ए.पी.जे. स्कूल की सभी पाँच शाखाओं–बकावंड, करपावांड, जैबेल, नानगुर एवं केशरपाल–के विद्यार्थियों ने एक साथ मंच साझा कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया, जिन्होंने तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन का प्रेरणादायी संदेश–कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती रीदा मीर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

अभिभावकों की रही बड़ी उपस्थिति–समारोह में बड़ी संख्या में पालकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह, अनुशासन और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

जनवरी में भी पूरा अनाज नहीं मिलने का आरोप, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा तक पहुंची शिकायत

पुसगुड़ा में तीन महीने से राशन नहीं, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

बीजापुर। उसूर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पुसगुड़ी में राशन वितरण को लेकर बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 का राशन अब तक नहीं मिला। इन महीनों में न तो राशन बांटा गया और न ही किसी तरह की एंट्री की गई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक लगातार तीन महीने राशन नहीं मिलने से गरीब और मजदूर परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई घरों में खाने की चिंता तक खड़ी हो गई है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब जनवरी 2026 में भी पूरा राशन नहीं मिला। आरोप है कि आधा राशन दिया गया और उसमें भी कटौती की गई। मामले को लेकर ग्रामीणों ने भाजपा नेता और

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नाम लिखित शिकायत दी। उनका कहना है कि खाद विभाग के अधिकारियों को पहले ही जानकारी दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

राशन संकट को देखते हुए भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी के.जी. सुधाकर ने ग्रामीणों का आवेदन लिया और फोन पर पूर्व मंत्री गागड़ा को पूरी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि गागड़ा ने संबंधित अधिकारियों से बात कर जल्द समस्या दूर करने का आश्वासन दिया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर लंबित राशन का जल्द वितरण कराया जाए और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो, ताकि आगे ऐसी परेशानी न हो। गौरतलब है कि जिले में पिछले कुछ समय से गरीबों को मिलने वाले पौष्टिक चने की कमी की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। जिसके चलते भी लोगो मे ख़ासी नाराजगी देखी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री के लिए रातों-रात सड़क, लेकिन जनता के लिए गड्ढे क्यों?

नारायणपुर। विश्व प्रसिद्ध माता मावली मेला में इन दिनों हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। माता के दरबार में आस्था की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन शहर की सड़कों की हालत श्रद्धालुओं का स्वागत नहीं, बल्कि लापरवाही की तस्वीर पेश कर रही है। मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे मुंह खोलकर खड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन को केवल वीआईपी दौरों की चिंता है? कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री जी के नारायणपुर दौरे के दौरान उनके मार्ग की सड़कें रातों-रात दुरुस्त कर दी गईं। लेकिन आज जब आम जनता और मेले में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा की बारी आई, तो वही प्रशासन खामोश नजर आ रहा है।क्या आम नागरिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण नहीं है? यदि इन गड्ढों के कारण कोई बड़ा हादसा होता, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता?प्रशासन की निष्क्रियता के बीच आज युवा कांग्रेस और हस्द्ध की टीम ने आगे आकर श्रमदान के माध्यम से सड़कों के गड्ढों को पाटने का कार्य किया। युवाओं ने कहा कि जब जिम्मेदार विभाग अपनी भूमिका नहीं निभा रहे हैं, तब समाज के युवाओं को स्वयं आगे आकर जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है।नगर के पार्षद विजय सलाम ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहाः मुख्यमंत्री जी के लिए सड़क रातों-रात बन सकती है।

कुचनूर कोरंडम खदान की पर्यावरण मंजूरी पर विधायक ने जताई आपत्ति

ग्राम सभा और जनसुनवाई के बिना स्वीकृति देना आदिवासियों के अधिकारों के खिलाफ–विक्रम मंडावी

बीजापुर। जिले के ग्राम कुचनूर में प्रस्तावित कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण मंजूरी को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने कड़ी नाराजगी जताई है।भोपालपटनम में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिना ग्राम सभा की सहमति और जनसुनवाई के खदान को मंजूरी देना गंभीर मामला है। मंडावी ने बताया कि तहसील भोपालपटनम के कुचनूर गांव में खसरा नंबर 826, रकबा 3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थित खदान के लिए छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) को राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण ने स्वीकृति दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में स्थानीय पंचायतों और ग्रामीणों को भरोसे में नहीं लिया गया। विधायक ने कहा कि पेसा कानून, पंचायत राज अधिनियम और वन अधिकार

कानून के अनुसार आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी खनन परियोजना से पहले ग्राम सभा की अनुमति जरूरी होती है। लेकिन यहां न ग्राम सभा से चर्चा हुई और न ही जनसुनवाई कराई गई। यह सीधे तौर पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी है।उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ग्राम सभाओं को दरकिनार कर बड़े हितों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। बीजापुर जैसे आदिवासी बहुल इलाके में लोग जल, जंगल और जमीन पर निर्भर हैं, ऐसे में उनकी राय के बिना लिया गया फैसला उचित नहीं कहा जा सकता।मंडावी ने मांग की कि खदान की पर्यावरण स्वीकृति तत्काल रद्द की जाए, ग्राम सभा की बैठक बुलाकर सहमति ली जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से दोबारा शुरू हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।प्रेस वार्ता में पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, वल्वा मदनैया, रमेश पामभोई, अरुण वासम, मिच्चा सम्मैया, विजार खान, चलपत उद्दे, नरेन्द्र मट्टी सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

ग्राम मर्राकोना में विभिन्न विकास कार्यों का विधायक इंद्र साव ने किया लोकार्पण,भूमिपूजन

बलौदाबाजार । भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मर्राकोना मे सीसी रोड , किचन शेड सहित अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन एवं भूमिपूजन विधायक इंद्र साव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक इंद्र साव ने कहा कि महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को मध्यान भोजन के समय हो रही परेशानी से अब उन्हें किचन शेड के निर्माण होने से बहुत राहत मिलेगी।उन्होंने हमेशा से महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए आगे आकर बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है,अब किचन शेड के निर्माण से ना केवल बारिश से बचत होगी बल्कि उन्हें पर्याप्त मात्र में धूप से निजात मिलेगी। विधायक साव ने आगे कहा कि वे हमेशा से ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के नव निर्माण और उन्नयन से गांव के विकास के लिए कृत संकल्पित है और जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक शहर के विकास की परिकल्पना बेमानी है। साव ने कहा कि वे जब से आप लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से विधायक बने है तब से लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सक्रियता से कार्य कर रहे है और आप लोगों को विश्वास दिलाता हु कि आने वाले समय में और अधिक विकास कार्य आप लोगों के गांव में दिखाई देने लगेगा। इसके पूर्व गांव पहुंचने और कार्यक्रम स्थल पर विधायक साव का ग्राम के सरपंच कुबेर यदु, पंचगण एवं ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। विधायक साव ने भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात गांव में चल रहे श्रीमद भागवत कथा पंडाल पहुंच कर भागवत भगवान का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र में खुशहाली और अमन चैन के लिए प्रार्थना की। साव ने व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य डोमेन्द्र शर्मा का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में शामिल विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने अपने संबोधन में ग्राम वासियों को इस विकास कार्य के लिए बधाई दी।जनपद सदस्य जीत त्रिलोक कुर्रे ने भी कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन ग्राम सरपंच कुबेर यदु ने तथा संचालन उपसरपंच इनदरमन साहू ने किया ।

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और विजय बघेल दुर्ग सांसद ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से मुलाकात कर भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप से जुड़े मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

भिलाई नगर । श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और श्री विजय बघेल दुर्ग सांसद ने केंद्रीय इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात कर भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) टाउनशिप से जुड़े गंभीर मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में टाउनशिप के कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को प्रभावित करने वाली नीतिगत समस्याओं पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। जिस पर इस्पात मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिये। श्री पाण्डेय ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल औद्योगिक उत्पादन की इकाई नहीं है, बल्कि एक सुव्यवस्थित टाउनशिप भी है, जहाँ लाखों लोग रहते हैं। वर्षों से यहाँ कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी, व्यापारी और विभिन्न संस्थानों से जुड़े लोग अपने परिवारों के साथ निवास करते आए हैं। लेकिन हाल के समय में संयंत्र प्रबंधन द्वारा किराए, लीज प्रीमियम और आवासीय नीतियों में की गई अचानक और अत्यधिक वृद्धि ने नागरिकों पर भारी आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 से लागू रिटेंशन स्कीम योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पूर्व निर्धारित दरों पर आवास उपलब्ध कराया जाता था। यदि निर्धारित अवधि के बाद आवास खाली नहीं किया जाता, तो 32 गुना किराया वसूला जाता था। लेकिन नवंबर 2025 से इस व्यवस्था को समाप्त कर सीधे ?24 प्रति वर्गफुट की दर लागू कर दी गई। इसके चलते 700 वर्गफुट के क्वार्टर में रहने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब ?15,000 से ?17,000 तक मासिक किराया देना पड़ रहा है। उन्होंने इसे अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण बताते हुए पूर्व व्यवस्था को पुन: लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त टाउनशिप में बैंक, डाक विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग जैसे संस्थानों के कर्मचारियों को भी बीएसपी द्वारा आवास किराए पर दिए जाते रहे हैं। पहले इनका किराया ?5 प्रति वर्गफुट था, लेकिन नवंबर में एकाएक 60 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई। इससे इन संस्थानों के कर्मचारियों पर भारी आर्थिक बोझ आ गया है। उन्होंने कहा कि सामान्य किराया अधिनियमों के अनुसार प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि उचित नहीं मानी जाती, लेकिन बीएसपी प्रबंधन ने सार्वजनिक परिसंपत्ति अधिनियम का सहारा लेकर मनमानी वृद्धि की है। उन्होंने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। श्री पाण्डेय ने बताया कि कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्षों पहले दुकानों का निर्माण कर उन्हें किराए पर दिया गया था। 1991 में इन्हें लीज पर देते समय स्पष्ट किया गया था कि लीज प्रीमियम एक बार तय होगा और केवल लीज रेंट में प्रतिवर्ष वृद्धि होगी। लेकिन अब नवीनीकरण से पूर्व ही लीज प्रीमियम में बेतहाशा वृद्धि कर दी गई है। इससे छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े संस्थानों तक पर भारी बोझ पड़ा है। ज्ञापन में इस व्यवस्था को अनुचित बताते हुए प्रीमियम और किराए का पुनर्निर्धारण करने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में मकान तोड़ दिए गए हैं और भूमि खाली पड़ी है। कैंप और खुर्सीपार जैसे क्षेत्रों में भी अनेक भू-खंड रिक्त हैं।

विधायक रिकेश सेन की त्वरित पहल : हीमोफीलिया पीड़ित छात्र के लिए उपलब्ध कराया जीवनरक्षक इंजेक्शन

भिलाई नगर । वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक हीमोफीलिया पीड़ित छात्र की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। आपको बता दें कि भिलाई टाउनशिप निवासी कक्षा दसवीं के छात्र आरूष के लिए विधायक ने तत्काल हीमोफीलिया बी फेक्टर-9 इंजेक्शन की व्यवस्था की और उसे छात्र की माता श्रीमती बी शारदा पखाले को सौंपा।

दसवीं के छात्र का 17 से है एग्जाम-छात्र आरूष हीमोफीलिया बी (फेक्टर-9 की कमी) से पीड़ित है। इस बीमारी में शरीर में क्लॉटिंग फैक्टर्स की कमी के कारण चोट लगने पर खून आसानी से नहीं जमता, जिससे आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव का गंभीर खतरा बना रहता है। समय पर इंजेक्शन न मिलने से असहनीय दर्द और अंगों के खराब होने का डर रहता है। आरूष की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने वाली हैं। ऐसे नाजुक समय में परिवार इंजेक्शन की अनुपलब्धता के कारण काफी परेशान था। परिजनों ने जब विधायक रिकेश सेन से मदद की गुहार लगाई, तो उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इंजेक्शन मंगवा कर पाखले परिवार को राहत पहुंचाई।

अस्पताल प्रबंधन को कड़े निर्देश-विधायक श्री सेन ने केवल तात्कालिक सहायता ही नहीं की बल्कि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न आए, इसके लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने सिविल सर्जन और सुपेला शासकीय अस्पताल प्रभारी से सीधी चर्चा की। सुपेला अस्पताल में भविष्य के लिए 'हीमोफीलिया फेक्टर-9' इंजेक्शन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। विधायक ने परिवार को आश्वस्त किया कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी ऐसी दिक्कतों का सामना अब दोबारा नहीं करना पड़ेगा। श्री सेन ने कहा कि जनता की सेवा और विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करना मेरी प्राथमिकता है। आरूष अपनी परीक्षा बिना किसी शारीरिक कष्ट के दे सके यही हमारी कोशिश है। इस मानवीय पहल के लिए छात्र के परिजनों ने विधायक का आभार व्यक्त किया है।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े वाहनों को बनाता था निशाना

भिलाई नगर । शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े वाहनों को बनाता था निशाना, चोरी किए गए मोबाइल अनलॉक कर खातों से करता था ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, लगभग 06 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन जप्त। थाना भिलाई नगर क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-7 भिलाई में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान खड़ी गाड़ियों से 03 मोबाइल फोन, कार की चाबी एवं अन्य सामान चोरी होने संबंधी रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 663/2025 धारा 303(2) BNS के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े दोपहिया वाहनों से मोबाइल चोरी की लगातार घटनाएं प्रकाश में आई। थाना भिलाई नगर पुलिस द्वारा सतत निगरानी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही शुभम श्रीवास को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़ी स्कूटी/वाहनों की डिक्की से मोबाइल, पर्स, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड चोरी करना स्वीकार किया गया।आरोपी द्वारा चोरी किए गए मोबाइल के सामान्य लॉक पैटर्न का उपयोग कर अनलॉक कर संबंधित बैंक खातों से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से लगभग 06 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन जप्त किए गए। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया है।घटनास्थल :सेक्टर-7 क्रिकेट मैदान एवं विभिन्न परीक्षा केंद्र, भिलाई नगर क्षेत्र आरोपी का विवरण :1. शुभम श्रीवास, उम्र 24 वर्ष, निवासी कातुलबोर्ड हरिनगर दुर्ग, स्थायी पता थाना ओमती जिला जबलपुर (म.प्र.)जप्ती सामग्री : विभिन्न कंपनियों के कुल मोबाइल फोन (लगभग 06 लाख रुपये मूल्य) सराहनीय भूमिका :उक्त कार्यवाही में थाना भिलाई नगर पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने मोबाइल फोन में फेस लॉक एवं फिंगरप्रिंट लॉक का उपयोग करें। मोबाइल गुम या चोरी होने पर तत्काल संबंधित थाना में रिपोर्ट दर्ज कराएं, ष्टश्वङ्कक्रपोर्टल पर सूचना दें तथा बैंक खातों की नियमित जांच करते रहें।

राजस्व शिविर में मिले 263 आवेदन, 194 का मौक़े पर ही निराकरण

बलौदाबाजार । कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार बुधवार को क्लस्टर पंचायतों में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों के आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में कुल 263 विभिन्न समस्याओं से सम्बधित आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 194 आवेदनों का मौक़े पर ही निराकरण किया गया एवं शेष 69 आवेदनों का जल्द निराकरण के निर्देश दिये गए।शिविर में प्राप्त आवेदनो के निराकरण के साथ ही दस्तावेजों का वितरण भी किया गया। स्वामित्व योजना अंतर्गत 100 स्वामित्व कार्ड बांटे गए। कलेक्टर सोनी के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं एसडीएम शिविर में पहुंच कर जायजा लिये और आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही दास्तावेजों का वितरण भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील बलौदाबाजार में 53 आवेदन में से 46 का निराकरण किया गया। लवन में 96 में से 58, पलारी में 38 में स्व 15, भाटापारा में 23 में से 22, सिमगा में 26 में से 25 आवेदन, सुहेला में 10 में से 8 एवं टुण्ड्रा में 7 में से 3 आवेदन एवं सोनाखान में 18 में से 17 आवेदनों का निराकरण किया गया है।

जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात

पाटन । पाटन विधानसभा।जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाअध्यक्ष राकेश ठाकुर ने दिल्ली प्रवास के दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। वे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद सोनिया गांधी एवं कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी से भेंट हुई।दिल्ली में आयोजित कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की बैठक में शामिल होने पहुंचे राकेश ठाकुर ने पार्टी के जमीनी संगठन को मजबूत करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, आगामी चुनावी रणनीति तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर महत्वपूर्ण मंथन किया गया।इस दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने जिला अध्यक्षों को संगठन सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों को लेकर जनजागरण अभियान चलाने पर जोर दिया?

आबकारी टीम द्वारा 46 बल्क लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त

बलौदाबाजार। आबकारी आयुक्त आर संगीता के निर्देश पर कलेक्टर दीपक सोनी एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने 46 बल्क लीटर अवध मदिरा जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पलारी में बाल समुंद तालाब के पास विमल गुटखा के बड़े थैले में रखे 98 पाव देशी मदिरा मसाला 17.64 बल्क लीटर लावारिस रूप से रखे जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 9,800 होना पाया गया। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया एवं तेजेश्वर गहिरवारे थाना पलारी अंतर्गत निवासी टीला के कब्जे से 7.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 4,000 होना पाया गया। आरोपी तेजेश्वर गहिरवारे के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया। इसी प्रकार बलौदाबाजार वृत्त में आबकारी विभाग की टीम द्वारा ग्राम करमंदा निवासी आरोपी डागेश्वर प्रसाद वर्मा के कब्जे से 7.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला एवं लवन निवासी आरोपी संदीप निषाद के कब्जे से 9.00 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला कुल 16.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 9,000 होना पाया गया। आरोपीयों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया। सिमगा में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी संतु कटेर ग्राम साराडीह थाना सहेुला के कब्जे से 5.4 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया । देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 3,000 होना पाया गया।

जोन-3 में निर्माण एवं सफाई कार्यो का किया गया निरीक्षण

भिलाईनगर । जोन-3 क्षेत्रांतर्गत नव निर्माण सुलभ शौचालय, केयरटेकर रूम निर्माण, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट, सब्जी मार्केट का निरीक्षण कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह द्वारा किया गया। जोन में चल रहे कार्यो को और बेहतर करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह ने वार्ड क्रं. 37 में डी.एम.एफमद से नव निर्माण सुलभ शौचालय का निरीक्षण किये। इस शौचालय के निर्माण होने से सैकड़ो नागरिको का सुविधा मिलेगी। रविदास नगर सब्जी मंडी सुलभ इंटरनेशनल शौचालय में अतिरिक्त केयरटेकर के लिए रूम निर्माण किया जा रहा है जिसका निरीक्षण किया गया। नागरिको को किसी प्रकार की असुविधा होने पर केयरटेकर द्वारा तत्काल उसका मौके पर निराकरण कर सके। सर्कुलर, जवाहर, अनाज, सब्जी मार्केट की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा किया गया है। दुकानों के सामने एवं सड़को पर फैले कचरे को एकत्र कर एस.एल.आर.एम. सेंटर में खाद बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास लोन मेला का आयोजन

चार जोन कार्यालयों में 16 से 19 फरवरी तक मिलेगा लाभ, सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक लगेंगे बैंक स्टॉल, पक्के मकान के सपने को साकार करने का सुनहरा अवसर

दुर्ग । नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास दिवस के रूप में आवास लोन मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष पहल के माध्यम से ऐसे हितग्राही, जिन्हें अपने मकान निर्माण या खरीद हेतु बैंक लोन की आवश्यकता है, वे इस मेले में शामिल होकर विभिन्न बैंकों से सीधे संपर्क कर आवास ऋण की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह मेला 16 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय बोरसी, 17 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय आदित्य नगर, 18 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय उरला तथा 19 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय पद्मनाभपुर में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर मेला सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लगेगा। मेले में सर्व बैंक प्रतिनिधियों द्वारा स्टॉल लगाकर हितग्राहियों को ऋण प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी। नगर निगम द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आवास लोन मेला का लाभ उठाएं और अपने पक्के घर के सपने को साकार करें। अधिक जानकारी हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय, डाटा सेंटर में संपर्क किया जा सकता है।जन संपर्क/राजू बक्शी

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की मंडल बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

बलौदा बाजार । भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की मंडल स्तरीय बैठक बुधवार को सिमगा में सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मंडल प्रवास के दौरान भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष चरणदास तेहरवंश का कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। फूल-मालाओं एवं नारों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही भाजपा का लक्ष्य है। जिलाध्यक्ष चरणदास तेहरवंश ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के उत्थान के लिए भाजपा निरंतर कार्य कर रही है और सभी कार्यकर्ताओं को समर्पण भाव से सेवा में जुटना चाहिए।

वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल पांडेय ने भी बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं विकास कार्यों पर प्रकाश डाला तथा कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति निष्ठावान रहकर कार्य करने की प्रेरणा दी। बैठक में नरोत्तम बघेल अनुसूचित जाति मोर्चा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य **राम बंजारे, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा, मीडिया प्रभारी** -चुरामणि साहू उपाध्यक्ष भाजपा मंडल रोहांसी, छोटू यदु, महामंत्री योगेश, राहुल साहू, महामंत्री विकाश सोनकर, उपाध्यक्ष न.प अभिजीत अवस्थी, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, उपाध्यक्ष सूर्यकांत ताम्रकार, भागवत वर्मा, विष्णु जायसवाल टुकेश, देवांगन पीताम्बर सोनकर, अनूप तिवारी, परस पाटकर, गोविंदा घृतलहरे, रोहित कुर्रे, दीपक बांधे, हेमलाल कुर्रे, कमल ओगर, ओमप्रकाश बंजारे, समी टंडन, मुकेश बंजारे बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगामी 18 फरवरी से कलेक्टर जनदर्शन अब हर बुधवार को

दुर्ग । जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर जनदर्शन के आयोजन दिवस में परिवर्तन किया गया है। अभी तक यह जनदर्शन प्रत्येक सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाता था। जिले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के क्षेत्र भ्रमण एवं दौरों के कारण कार्यालयीन कार्यों तथा आम नागरिकों से भेंट के समय में अनियमितताएं सामने आ रही थीं। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित करने एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत आगामी 18 फरवरी 2026 से कलेक्टर जनदर्शन प्रति सप्ताह बुधवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु निर्धारित दिवस एवं समय पर उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करें।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995